



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 276]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 21, 2003/कार्तिक 30, 1925

No. 276]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 21, 2003/KARTIKA 30, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 2003

अंतिम जांच परिणाम

विषय : तुर्की और चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच—अंतिम जांच परिणाम।

सं 14/40/2002-डीजीएडी.— वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया

1. संबद्ध जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई -

i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को उपरोक्त नियमों के अधीन मै0 बोरेक्स मोरारजी लि0, मुम्बई से घरेलू उद्योग की ओर से पूर्ण प्रलेखित एवं संशोधित लिखित याचिका प्राप्त हुई जिसमें तुर्की और चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट जो डाई-सोडियम

- टेटरा बोरेट डेकोहाइड्रेट के नाम से भी ज्ञात है, के पाटन का आरोप लगाया गया था। याचिकाकर्ता ने अपनी पूर्ववर्ती याचिका में अमरीका से भी पाटन होने का आरोप लगाया था, तथापि घरेलू उद्योग अमरीका से हुए आयातों के बारे में आयातों की मात्रा एवं न्यूनतम निर्धारित सीमा से अधिक के पाटन को सिद्ध नहीं कर पाया था।
- ii) प्राधिकारी ने सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के शीर्ष 284019 के अंतर्गत वर्गीकृत और चीन और तुर्की मूल की अथवा वहां से निर्यातित बोरेक्स डेकोहाइड्रेट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी कार्यवाही शुरू करने के बारे में एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे 15 नवम्बर, 2002 को भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित किया गया था।
- iii) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों/आयातकों तथा दूतावास को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत याचिका के अगोपनीय अंशों, प्रश्नावली प्रपत्र की एक प्रति इस अनुरोध के साथ भेजी कि वे अपने-अपने देशों के उत्पादकों तथा निर्यातकों को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना पर अपने-अपने विचार निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रस्तुत करने की सलाह दें।
- iv) मैसर्स ईटीआई बोर ने अपनी नियंत्रक कंपनी मैसर्स ईटीआई होल्डिंग्स, टर्की ने अपने निर्यातक मैसर्स ब्रोकैमी इन्टरनेशनल एण्ड मैसर्स दाशिकाओ हेक्सामाइन कं०, चीन जनवादी गणराज्य ने अपने निर्यातक डालियन कैम इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं० लि०, चीन ज.गण. ने उन निर्यातकों में से प्राधिकारी को उत्तर दिया है जिनको निर्यातक प्रश्नावली भेजी गयी थी। नई दिल्ली स्थित चीन ज.गण. और तुर्की के दूतावासों को भी जांच शुरूआत के बारे में सूचित किया गया था और अनुरोध किया गया था कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। उपरोक्त निर्यातकों एवं आयातकों को छोड़कर किसी भी निर्यातक एवं आयातक ने निर्यातक प्रश्नावली एवं याचिका का उत्तर नहीं दिया है।
- v) प्राधिकारी ने आगे की जांच होने तक अनंतिम रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हुए 26 मार्च, 2003 को एक सार्वजनिक सूचना (प्रारंभिक जांच परिणाम) जारी किए थे जो भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित हुए थे।
- vi) प्राधिकारी ने उन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को प्रारंभिक जांच परिणामों की एक प्रति अग्रेषित की थी जिन्हें पत्र की तारीख के चालीस दिनों के भीतर प्रारंभिक जांच निष्कर्षों पर अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।

- vii) किसी भी प्रयोक्ता/आयातकों ने आयातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। तथापि, कुछेक प्रयोक्ताओं/आयातकों ने अपने ऐसे विचार प्रस्तुत किए हैं जिनका उचित शीर्षों में विश्लेषण किया है।
- viii) प्राधिकारी ने नई दिल्ली स्थित चीन जनवादी गणराज्य तथा तुर्की के दूतावासों को इस अनुरोध के साथ प्रारंभिक जांच परिणामों की एक प्रति भेजी कि वे अपने देश के निर्यातकों तथा उत्पादकों को प्रारंभिक जांच परिणामों पर अपने विचार प्रस्तुत करने की सलाह दें।।
- ix) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचारों को मौखिक रूप से 3 जुलाई, 2003 को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। विचार प्रस्तुत करने वाले सभी पक्षकारों को मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था। पक्षकारों को प्रतिपक्षी पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने तथा उसका खंडन यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।
- x) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, जिन्हें पहले अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है, को संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है। परन्तु, हितबद्ध पार्टियों द्वारा बाद में दिए गए तर्कों पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किए जाने का प्रस्ताव है।
- xi) प्राधिकारी ने उनके द्वारा प्रस्तुत घरेलू आंकड़ों की तथा निर्यातक के आंकड़ों की जांच की।
- xii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को 31.10.2003 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट किया गया है तथा उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर, अंतिम निष्कर्षों में भी विधिवत् विचार किया गया है।
- xiii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल निरीक्षण हेतु उपलब्ध कराई।

- xiv) सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों(जीएएपी) के आधार पर भारत में सम्बद्ध वस्तुओं की उत्पादन की इष्टतम लागत निकालने के लिए तथा माल बनाने और बेचने के लिए याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार लागत जांच की गई ।
- xv) यह जांच 1 जनवरी, 2002 से 30 सितंबर, 2002 (9 महीने) तक की अवधि के लिए है ।
- xvi) जांच शुरुआत संबंधी सूचना की प्रतियां व्यापक परिचालन के लिए फिक्की, सी आई आई, एसोचेम इत्यादि में भी परिचालित की थीं ।

विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

2. घरेलू उद्योग के अनुरोध

वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद बोरेक्स डेकाहाइड्रेट है जिसे बोरेका अथवा डाई-सोडियम टेट्रा बोरेट डेकाहाइड्रेड के रूप में भी जाना जाता है । यह एक अकार्बनिक रसायन है । इसका उत्पादन तकनीकी एवं आई पी ग्रेडों में किया जाता है । इसका उत्पादन विभिन्न भौतिक रूपों जैसे दानेदार, रवेदार और पाउडर में किया जाता है । डेकाहाइड्रेट का वर्गीकरण सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 28 में किया गया है । इसका प्रयोग कांच, वस्त्र, चर्म, आसंजक, डिटर्जेंट, पालिस, सेरामिक इत्यादि में किया जाता है । पहले से दर्ज सूचना से यह प्रदर्शित होता है कि संबद्ध वस्तु की निकासी अन्य सीमा उपशीर्षों के अंतर्गत भी की जा रही है । अतः यह अनुरोध है कि संबद्ध माल पर पाटनरोधी शुल्क सीमा शुल्क उपशीर्ष पर विचार किए बिना लगाने की कृपा करें । इसके अलावा, इस उत्पाद की बिक्री सोडियम बोरेट के नाम से भी की जाती है । चूंकि सोडियम बोरेट कुछ नहीं बल्कि बोरेक्स डेकाहाइड्रेट है इसलिए यह अनुरोध है कि अंतिम निष्कर्षों में यह स्पष्ट करने की कृपा करें कि पाटनरोधी शुल्क सोडियम बोरेट पर भी लागू होता है । इसके अलावा, चूंकि इस उत्पाद का आयात सोडियम बोरेट कच्चा सोडियम बोरेट अथवा बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के रूप में किया जा सकता है इसलिए यह अनुरोध है कि पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश इनके सीमा शुल्क वर्गीकरण पर विचार किए बिना 'कच्चा सोडियम बोरेट' 'बोरेक्स डेका हाइड्रेट' अथवा 'सोडियम बोरेट' पर लगाने की कृपा करें ।

3. बोरेक्स डेका हाइड्रेट का उत्पादन 'बोरेक्स पेन्टाहाइड्रेट, 'टिकाल, केरेनाइट अथवा यूलक्साइट का प्रारंभिक कच्ची सामग्री के रूप में प्रयोग करके भी किया जा सकता है ।

प्रयुक्त प्रारंभिक कच्ची सामग्री कोई भी हो, इसकी प्रौद्योगिकी अधिकांशतः समान है। बोरेक्स पेन्टाहाइड्रेट का कच्ची सामग्री के रूप में प्रयोग करने के मामले में लघु विनिर्माण प्रक्रिया के अन्तर्गत आने वाले उत्पाद को छोड़कर विनिर्माण प्रक्रिया भी कमोबेश एक जैसी है जबकि युलक्साइट का कच्ची सामग्री के रूप में प्रयोग करने के मामले में उत्पादन प्रक्रिया काफी लम्बी है।

4. जहां तक समान वस्तु का संबंध है भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट और संबद्ध देशों से आयातित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट में कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट और संबद्ध देशों से आयातित बोरेक्स हाइड्रेड भौतिक विशेषताओं जैसे, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विनिर्दिष्टाएं, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा माल के टैरिफ वर्गीकरण के अनुसार तुलनीय है। इन दोनों को तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापित किया जा सकता है। उपभोक्ता दोनों को एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर सकते हैं और कर रहे हैं।

5. तुर्की के निर्यातक ने प्रौद्योगिकी में भिन्नता का मामला उठाया है। हम निवेदन करते हैं कि अपनायी गयी प्रौद्योगिकी में भिन्नता अथवा प्रारंभिक कच्ची सामग्रियों में भिन्नता से ये दोनों उत्पाद भिन्न नहीं हो जाते। यह उत्पाद नियमों के अर्थ के भीतर अभी भी समान वस्तु हैं। यह बात इस तथ्य से सिद्ध होता है कि यह दोनों उत्पाद तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से एक दूसरे के प्रतिस्थापनीय हैं। जहां तक प्राकृतिक प्रक्रिया में कुछ लागत संबंधी लाभ के तर्क का संबंध है, यह बात पाटन के प्रयोजनार्थ प्रासंगिक है और इससे उत्पाद असमान नहीं हो जाता है। न ही यह मामला क्षति एवं कारणात्मक संबंध के प्रयोजनार्थ संगत है।

यह उल्लेख करना भी संगत है कि अनेक जांचों में निर्दिष्ट प्राधिकारी एवं सीगेट पहले ही यह मान चुके हैं कि घरेलू उद्योग को उसी रूप में देखा जाना चाहिए जिस रूप में वह विद्यमान है। इसे आदर्श परिस्थितियों में नहीं देखा जा सकता है। हम निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि वह इस बारे में प्रारंभिक जांच परिणाम की पुष्टि करें।

मैसर्स डालियन कैम, चीन के अनुरोध

6. माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने गलत ढंग से यह बात नोट की है कि वर्तमान जांच उस वर्गीकरण पर विचार किए बिना विचाराधीन उत्पाद के विरुद्ध है जिसके तहत इसका आयात किया जाता है। डालियन का यह कहना है कि वह माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचारों से सहमत नहीं हो सकता है क्योंकि वह समान वस्तु की संकल्पना के अनुरूप नहीं

है और उक्त विचार को लेकर माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी असमान वस्तुओं को भी शामिल करने के लिए वर्तमान जांच के दायरे का विस्तार कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकालने में पूर्णरूपेण गलती की है कि केवल सीमा शुल्क वर्गीकरण ही सूचक है और यह वर्तमान जांच के दायरे पर किसी प्रकार बाध्यकारी नहीं है। निवेदन है कि टैरिफ वर्गीकरण को सामान्य तौर पर किसी निर्णायक प्रतिकूल साक्ष्य के न होने पर अवश्य ही बाध्यकारी समझा जाना चाहिए जो स्पष्ट रूप से इस सांविधिक निर्धारण को ध्यान में रखते हुए होना चाहिए कि केवल समान वस्तुएं पाटनरोधी जांच का विषय हो सकता है। इसलिए माननीय विनिर्दिष्ट प्राधिकारी यह टिप्पणी करने में गलत हैं कि वर्तमान जांच विचाराधीन उत्पाद की है, चाहे इसके आयात किए जाने का वर्गीकरण कोई भी हो।

7. निवेदन है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को गलत ढंग से यह मालूम हुआ है कि आयातित उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद और दोनों निर्यातक देशों अर्थात् चीन और तुर्की के बाजारों में बेचे गए उत्पाद अपनी अनिवार्य भौतिक और तकनीकी विशेषताओं और अपने प्रयोग में समान हैं और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयात की जा रही वस्तु उक्त नियमावली के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं। सम्मानपूर्वक यह निवेदन भी है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और जांच अवधि के दौरान भारत को डालियन द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु के बीच अनेक अंतर हैं। इस संबंध में उक्त अधिनियम की धारा 9 ख (2) के साथ पठित धारा 9 क(6) के प्रावधानों के अनुसारेण में निर्मित उक्त नियमावली के नियम 2(घ) में अन्य बातों के साथ-साथ यह व्यवस्था है कि:

" 'समान वस्तु' का अभिप्राय ऐसी वस्तु से है जो जांचाधीन वस्तुओं के साथ अत्यधिक समानता रखती हो "

8. निवेदन है कि डालियन द्वारा जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तु के दो ग्रेड, 95% और 99.5% है और समान वस्तु यदि याचिकाकर्ता द्वारा बनायी जाए तो केवल उन्हीं ग्रेड की होगी। निवेदन है कि वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को याचिकाकर्ता द्वारा न बनाए जाने वाले ग्रेडों को अलग कर देना चाहिए। उक्त प्रारंभिक जांच-परिणामों से यह स्पष्ट नहीं है कि याचिकाकर्ता द्वारा किस ग्रेड की संबद्ध वस्तु का विनिर्माण किया जाता है। यह भी अनुरोध है कि उक्त जांच शुरुआत अधिसूचना में संबद्ध वस्तु की परिभाषा दी गयी है, परन्तु उसकी कच्ची सामग्री, प्रक्रिया, तकनीकी विनिर्दिष्टताओं और वाणिज्यिक अनुप्रयोगों का उल्लेख नहीं है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए निवेदन है कि माननीय विनिर्दिष्ट प्राधिकारी यह मूल्यांकन करने में

विफल रहे कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयात की जा रही संबद्ध वस्तुएं नियमावली के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं नहीं हैं। प्रकटन विवरण के बाद निर्यातक ने यह तर्क दिया है कि जांच अवधि के दौरान भारत में डालियान और डैसिक्वियाओ द्वारा 95% ग्रेड के बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के निर्यातों की कम मात्रा की पुष्टि किए जाने को ध्यान में रखते हुए 95% ग्रेड द्वारा मात्रा मात्रा के प्रभाव अथवा कारणात्मक क्षति के निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा कोई निष्कर्ष प्राप्त नहीं किए जा सकते। उन्होंने यह भी प्रस्तुत किया कि चीन जनवादी गणराज्य से मै0 डालियान/डैसिक्वियाओ द्वारा निर्यातित 95% ग्रेड के बोरेक्स डेकाहाइड्रेट पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए और इन्हें पाटनरोधी शुल्क के कार्य क्षेत्र से अलग कर देना चाहिए।

विचारों की जांच

9. विचाराधीन उत्पाद बोरेक्स डेकाहाइड्रेट है जो आमतौर पर बोरेक्स के नाम से जाना जाता है। इसका तकनीकी नाम डाई-सोडियम टेट्रा बोराट डेकाहाइड्रेट है। यह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 28 के अन्तर्गत आता है। इसका उपयोग कांच, वस्त्र, चमड़ा, आसंजक, डिटरजेंट, पालिसों, सेरामिक इत्यादि में किया जाता है। घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि बोरेक्स डेकाहाइड्रेट की निकासी 284011, 284020 और 284019 जैसे अन्य सीमाशुल्क उपशीर्षों तथा अध्याय 25 के अन्तर्गत भी की जाती है। विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि 95% और 99% के ग्रेडों में चीन जन गणराज्य से निर्यातित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट एक समान नहीं हैं इसलिए इन्हें समान वस्तु नहीं माना जाय। यह भी निवेदन किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने के पश्चात चीन से सोडियम बोराटे, नेचूरल सोडियम बोराटे और क्रूड सोडियम बोराटे के नाम से काफी आयात हुआ है। घरेलू उद्योग ने यह भी सूचित किया है कि सोडियम बोराटे अथवा नेचूरल सोडियम बोराटे कुछ नहीं बल्कि स्वयं बोरेक्स डेकाहाइड्रेट है और अध्याय 25 के अंतर्गत आने वाले आयातों पर भी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है। सभी रिकार्डों और विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद बोरेक्स डेकाहाइड्रेट है जिसे आम तौर पर बोरेक्स के नाम से जाना जाता है, तकनीकी रूप से डाई-सोडियम टेट्रा बोराट डेकाहाइड्रेट अथवा सोडियम बोरेट डेकाहाइड्रेट के नाम से जाना जाता है। यह टैरिफ उप शीर्ष 284019 (जिसे इसके पश्चात् सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के अन्तर्गत वर्गीकृत है। जहां तक इस जांच के दायरे को घरेलू उद्योग के अनुरोध पर अध्याय 25 तक बढ़ाने का संबंध है ताकि सम्बद्ध वस्तु को इसमें शामिल किया जा सके, जिसका उन अन्य टैरिफ शीर्षों के अन्तर्गत आयात किया जा रहा है जिन पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लग रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये मुद्दे गलत घोषणा से संबंधित हैं जो वर्तमान जांच के दायरे से बाहर हैं।

10. प्राधिकारी नोट करते हैं कि बोरेक्स डेकाहाइड्रेट का उपयोग मूलतः इसके बी2 ओ3 तत्व के रूप में किया जाता है और बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के अलग-अलग प्रतिशत के बावजूद यह तत्व समान हैं और इसका उपयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जा सकता है। चीन जन गण के निर्यातक ने इस बात से इनकार नहीं किया है कि ग्रेड 95% और 99% के बोरेक्स डेकाहाइड्रेट का उपयोग एक दूसरे के स्थान पर नहीं किया जा रहा है और उनके अन्तिम उपयोग भिन्न हैं। प्राधिकारी डी जी सी आई एंड एस और गौण स्रोतों (आई

बी आई एस, मुम्बई) से प्राप्त पण्यवार आंकड़ों की जांच करने के बाद नोट करते हैं कि देश में इस उत्पाद का आयात अध्याय 25 और 28 के अन्तर्गत विभिन्न शीर्षों के तहत किया जा रहा है और यद्यपि यह उत्पाद तकनीकी रूप से सीमाशुल्क उप-शीर्ष 284019 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है।

11. प्राधिकारी यह मानते हैं कि समान वस्तु के निर्धारण में कोई अकेला कारक निर्णायक नहीं है। समान वस्तु के निर्धारण में आमतौर पर प्राधिकारी भौतिक विशेषताओं, विनिमेयता, चैनल उप-वितरण, सामान्य विनिर्माण सुविधाएं और उत्पादन प्रक्रिया, उपभोक्ता ज्ञान और कीमत पर विचार करते हैं। तथापि यह नोट किया जाना चाहिए कि यह सूची समान वस्तु (उत्पाद प्रक्रिया के समान स्तर की वस्तु) का निर्धारण करने के समस्तर दृष्टिकोण से संबंधित है। समान वस्तु का निर्धारण करने का दूसरा दृष्टिकोण अनुलंब दृष्टिकोण (उसी उत्पादन प्रक्रिया की विभिन्न स्तरों की वस्तु, एक का उपयोग दूसरे के उत्पादन के लिए किया जाए) है। चूंकि जांच में वस्तुएं अर्थात् 95% और 99% वाली संबद्ध वस्तुएं, एक उत्पादन प्रक्रिया के विभिन्न स्तरों की हैं, अतः अनुलंब दृष्टिकोण अधिक उचित प्रतीत होगा। एक रेखीय संदर्भ में समान वस्तु का निर्धारण करने के लिए निम्नलिखित परिस्थितियों पर विचार किया जा सकता है:-

- क) अगले प्रसंस्करण और लागत की आवश्यकता,
- ख) उत्पादन के विभिन्न चरणों पर वस्तु की अन्तर-प्रतिस्थापनीयता की मात्रा,
- ग) क्या तैयार अथवा तैयार न की गई वस्तु के लिए काफी स्वतंत्र उपयोग अथवा बाजार हैं, और
- घ) क्या उत्पादन के पूर्ववर्ती चरण पर संबद्ध वस्तु में तैयार संबद्ध वस्तु अथवा अनिवार्य विशिष्टताएं और कार्य निहित हैं अथवा होते हैं।

12. उपर्युक्त मानदण्डों के आधार पर प्राधिकारी 95% और 99% ग्रेड सहित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के सभी स्वरूपों को इस वजह से समान उत्पाद मानते हैं कि जहां उक्त उत्पाद के प्रत्येक ग्रेड के लिए बाजार हो सकते हैं वहीं जिस बाजार में दोनों ग्रेडों की बिक्री की जाती है उसमें उन विनिर्माताओं को भी शामिल हैं जो उसी बाजार में उक्त उत्पाद का आगे प्रसंस्करण करके उसे तैयार करते हैं और यह भी कि जहाँ दोनों ग्रेडों के बीच बहुत कम भौतिक एवं रासायनिक अंतर हों तो बी2ओ3 (36.5%) के क्रियाशील संघटक से तैयार उत्पाद के लिए अनिवार्य विशिष्टताएं अथवा कार्य प्राप्त हो जाते हैं।

13. जहां तक घरेलू उद्योग के इस दावे का संबंध है कि संबद्ध वस्तु उस अध्याय के अलावा, जिसके अन्तर्गत यह वर्गीकृत है, अन्य टैरिफ शीर्षों से आयात की जा सकती है,

प्राधिकारी नोट करते हैं कि मौजूदा जांच, विचाराधीन उत्पाद की, की जा रही है चाहे उसे आयात करने का वर्गीकरण कोई भी हो। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सूचक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

स्थिति

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

14. यह याचिका घरेलू उद्योग के लिए और उसकी ओर से मै0 बोरेक्स मोरारजी लिमि0, मुम्बई द्वारा दायर की गई है और मै0 राज इंडस्ट्रीज और मै0 एम.वी. स्टील्स द्वारा समर्थित है। याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तु का प्रमुख उत्पादक है और उसका सम्बद्ध वस्तु के भारतीय उत्पादन में अधिकांश हिस्सा है। इस प्रकार, याचिकाकर्ता नियमों के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग बन जाता है।

मै0 डालियान द्वारा किए गए अनुरोध

15. याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे को स्वीकार नहीं किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

16. यह याचिका मै0 बोरेक्स मोरारजी लिमि0, मुम्बई द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तु का प्रमुख उत्पादक है और उसका जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादन में 74.5% का हिस्सा बनता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै0 नार्दर्न बोरेट्स ने जांच आरम्भ होने से पहले याचिकाकर्ता का समर्थन किया था। तथापि आगे के पत्राचार में उन्होंने अपना समर्थन वापस ले लिया था। मै0 एम. वी. स्टील्स और मै0 राज इंडस्ट्रीज ने याचिकाकर्ता को अपना समर्थन दिया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता का पाटनरोधी नियमों के नियम 2 (ख) के अंतर्गत भारत में संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का प्रमुख अधिकांश हिस्सा है। तदनुसार याचिकाकर्ता उपरोक्त नियमों के नियम 5(3) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने के मानदण्ड को पूरा करता है।

अन्य उत्पादकों/अन्य आयातकों/प्रयोक्ताओं द्वारा किए गए अनुरोध

मै0 एम वी स्टील्स प्रा0 लि0, नई दिल्ली

17. संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माताओं ने अनुरोध किया है कि वे बोराक्स पेंटाहाइड्रेट से बोराक्स डिकाहाइड्रेट का उत्पादन करते हैं और भारत के उत्तरी भाग में इसकी बिक्री करते

हैं। उन्हें मालूम हुआ कि बोरेक्स डिकाहाइड्रेट के आयात से उनके उत्पादन और बाजार में उनकी बिक्रियों में वास्तविक क्षति हो रही है और अनुरोध किया है कि उनके पत्र को संबंधित जांच के लिए याचिका के उनके समर्थन के रूप में रिकार्ड में रखा जाए।

मै0 नार्दन बोरेट्स प्रा0 लि0, कानपुर

18. मै0 नार्दन बोरेट्स प्रा0 लि0 ने संबद्ध जांच के शुरू होने से पहले याचिकाकर्ता को अपना समर्थन देने का वचन दिया था। उन्होंने सूचित किया था कि उन्होंने चीन से कम आयात कीमत के कारण बोरेक्स डिकाहाइड्रेट का विनिर्माण बन्द कर दिया है। 4 दिसंबर, 2002 को उन्होंने सूचित किया कि चीन जन गण और तुर्की से संबद्ध वस्तुओं के आयात से संबंधित वर्तमान जांच का समर्थन करते हैं। 26 दिसंबर, 2002 के एक दूसरे पत्र में उन्होंने सूचित किया था कि जहां तक तुर्की पर लगाए जाने वाले पाटनरोधी शुल्क का संबंध है, उन्होंने याचिका के लिए किया गया अपना समर्थन वापस ले लिया है।

मै0 राज इंडस्ट्रीज, वलसाड, गुजरात

19. संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माता ने चीन जन गण और तुर्की से बोरेक्स डिकाहाइड्रेट के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए मै0 बोरेक्स मोरारजी लि0 द्वारा दायर याचिका का समर्थन किया है।

मै0 इंडियन बोरेक्स, बड़ौदा

20. मै0 इंडियन बोरेक्स ने भारत में बोरेक्स उद्योग की स्थिति के बारे में व्यापक निवेदन प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि बोरेक्स मोरारजी लि0, मुंबई ने वर्ष 1989 तक भारत में बोरेक्स डिकाहाइड्रेट के अधिपत्य का लाभ उठाया। वर्ष 1989 के बाद अन्तर्राष्ट्रीय आपूर्तिकर्ता के साथ-साथ बोरेक्स मोरारजी लि0 का अधिपत्य भारत में केरनाइट और रिसोराइट-46 के स्थान पर सभी क्रूड सोडियम बोरेट को दी गई टैरिफ छूट के बाद भंग हो गया। उन्होंने बताया कि ऐसे याचिकाकर्ता जो कच्ची सामग्री पर आयात शुल्क की छूटों के लाभों का पहले से ही लाभ उठा रहे थे, को पाटनरोधी शुल्क का आगे और संरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए।

मै0 सन बोरेक्स इंडस्ट्री, अहमदाबाद

21. मै0 सन बोरेक्स इंडस्ट्रीज ने अभ्यावेदन दिया है कि चूंकि यह प्रबंधन का निर्णय था, इसलिए उन्होंने 1996-97 में अपना उत्पादन बन्द कर दिया था। उन्होंने प्राधिकारी से यह नोट करने के लिए कहा है कि उन्होंने तुर्की से संबद्ध वस्तुओं आयात होने के कारण उत्पादन बन्द कर दिया था।

मै0 भंसाली केमिकल्स, (मद्रास)लि0, चेन्नई, मै0 अक्षय इंडस्ट्रीज पांडिचेरी, मै0 बोराक्स इंडिया लि0, पांडिचेरी, कृष्णा एशोसिएट्स, कोलकाता, मै0 इंडो-बोराक्स एण्ड केमिकल्स लि0, मुंबई

22. आयातकों ने आवेदन किया है कि तुर्की से बोराक्स डिकाहाइड्रेट पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए ।

न्यूनतम सीमाएं

23. जांच अवधि के लिए सम्बद्ध देशों के आयात आंकड़ों की जांच करने के पश्चात् प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के आयात न्यूनतम स्तरों से अधिक रहे हैं ।

ई टी आई बोर, टर्की द्वारा किए गए अन्य अनुरोध बी आई एफ स्तर पर संदर्भ कीमत

24. निर्यातक ने अभ्यावेदन दिया है कि मौजूदा मामले में पहुंच स्तर पर संदर्भ कीमत के निर्धारण के परिणामस्वरूप टर्की के लिए निर्धारित मार्जिन से अधिक पाटनरोधी शुल्क की उगाही हुई है, और वर्ष 2003-04 में बोरेक्स डेकाहाइड्रेट पर सीमाशुल्क की कटौती की स्थिति में खेप अभी भी पाटनरोधी शुल्क के अधीन होगी चाहे यह निर्यातक द्वारा अपाटित कीमत पर निर्यात की जा रही है । इसके मद्देनजर निर्यातक अनुरोध करते हैं कि अन्तिम जांच परिणामों में पाटनरोधी शुल्क सी आई एफ स्तर पर दोबारा तय किया जा सकता है । निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा प्रकटन विवरण के बाद यह भी अभ्यावेदन किया कि संदर्भ कीमत विशेषतः इस प्रकार सी आई एफ स्तर पर निर्धारित की जानी चाहिए जहां पाटन मार्जिन क्षति मार्जिन से बहुत कम हो और उक्त पाटन मार्जिन भारत में विद्यमान सीमाशुल्क का कार्य बिल्कुल न हो । इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने अनुरोध किया कि घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्कों की अनदेखी कर दी जाए ।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

25. घरेलू उद्योग अनुरोध करता है कि निर्यातक द्वारा किए गए अनुरोध को गलत समझा गया है, गलत जगह पर रखा गया है और उस सम्पूर्ण उद्देश्य को बिगाड़ने का प्रयास है जिसके लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने परिवर्तनीय आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का सहारा लिया है । घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि सभी तीन प्रकार के शुल्कों-निश्चित राशि, यथामूल्य और परिवर्तनीय (अथवा न्यूनतम कीमत अथवा संदर्भ कीमत), एकत्र किया गया वास्तविक पाटनरोधी शुल्क (जांच अवधि के बाद के चरण में) सभी तीन परिस्थितियों में जांच अवधि में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन से अधिक हो सकता है । यदि एकत्र किया गया वास्तविक शुल्क निर्यात के समय पर पाटन मार्जिन की राशि से अधिक

हो जाता है (यह दोहराया जा सकता है, यह निर्यात के समय केवल पाटन मार्जिन से अधिक हो सकता है), इसकी समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है, क्योंकि अवधि में अंतर हो सकता है और इसी प्रकार मापदण्डों में भी । यदि चालू निर्यात कीमत पर विचार किया जाता है तो चालू सामान्य मूल्य पर भी विचार किए जाने की आवश्यकता है जो समीक्षा जांच का सम्बद्ध मामला है। चालू निर्यात कीमत की तुलना पुराने सामान्य मूल्य से नहीं की जा सकती है । भारतीय पाटनरोधी नियमों का अनुबंध- II पैरा ६(i) इस संबंध में निम्नानुसार उल्लेख करता है:-

(ख) 'तुलना व्यापार के समान स्तर पर सामान्यतः कारखानागत स्तर पर और की गई बिक्रियों, जहाँ तक संभव हो उसी समय पर, के संबंध में की जाएगी' ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के दावों की जांच करने के पश्चात् प्राधिकारी नोट करते हैं कि तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन और जांच अवधि के दौरान प्रचलित सीमाशुल्क के बीच की जा सकती है और इसलिए वह सीआई एफ स्तर पर संदर्भ कीमत तय करने के निर्यातक के अनुरोध से सहमत नहीं हैं ।

मै० ई टी आई होल्डिंग द्वारा किए गए अन्य अनुरोध - अन्य निर्यातकों के लिए अवशिष्ट शुल्क की कोई आवश्यकता नहीं है ।

26 क. चूंकि टर्की में सम्बद्ध वस्तु का केवल एक उत्पादक है, इसलिए सभी अन्य निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निर्धारित करना आवश्यक नहीं है क्योंकि केवल एक उत्पादक ने जांच में सहयोग किया है ।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

26 ख. प्रारम्भ में मै० ई टी आई होल्डिंग द्वारा यह नहीं कहा जा सकता कि 'अन्य निर्यातकों' के संबंध में शुल्क की सिफारिश नहीं की जा सकती । इस बात का ही खंडन नहीं किया गया है कि अवशिष्ट शुल्क की सिफारिश करने की निर्दिष्ट प्राधिकारी की सुसंगत प्रक्रिया रही है बल्कि इस बात का भी खंडन नहीं किया गया है कि ई टी आई होल्डिंग अथवा अन्य उत्पादकों द्वारा खरीदी गई वस्तुओं का अन्य निर्यातकों द्वारा निर्यात किए जाने की संभावना है । कम पाटन मार्जिन का लाभ संभावित निर्यातकों को नहीं पहुंचाया जा सकता । ऐसा मामला होने के कारण याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि अवशिष्ट शुल्क उच्चतर दर पर निर्धारित किया जाए ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

26 ग. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्क की जांच की है और सावधानीपूर्वक उनकी जांच करने के बाद वह तुर्की के अन्य निर्यातकों के लिए पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण किए जाने के बारे में निर्यातक के तर्क से सहमत हुए हैं ।

ई टी आई बोर द्वारा किए गए अनुरोध - जांच की शुरुआत हेतु अपर्याप्त आंकड़े

27. प्राधिकारी की जानकारी में यह बात लाई गई है कि आवेदन में सामान्य मूल्य के संबंध में अन्य बातों के साथ-साथ स्वीकार्य साक्ष्य निहित नहीं है । याचिका में तुर्की से यूरोपीय संघ को निर्यातित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट (बीडीएच) की मात्रा एवं मूल्यको दर्शाते हुए कथित सूचना दी गई थी । सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध एकमात्र आंकड़ा यूरो स्टेट डाटा है । एच एस एन वर्गीकरण प्रणाली पर आधारित है । एच एस एन प्रणाली के अंतर्गत बी डी एच टैरिफ मद 2840.19.00 के तहत आता है जिसमें एनहाइड्रस बोरेक्स से भिन्न उत्पाद शामिल हैं । तथापि इस टैरिफ मद में बोरेक्स डेकाहाइड्रेट, जिसमें जल के 10 अणु होते हैं) और बोरेक्स पेंटा हाइड्रेट (जिसमें जल के 5 अणु होते हैं) (बी पी एच) दोनों शामिल हैं । टैरिफ मद 2840.19.00 के तहत यूरो स्टेट डाटा में दर्शाई गई औसत कीमतों में बी डी एच और बी पी एच दोनों शामिल हैं । इस प्रकार याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत कीमतों से तुर्की से यूरोपीय संघ को विचाराधीन उत्पाद अर्थात् बी डी एच की निर्यात कीमत प्रदर्शित नहीं होती है । वस्तुतः याचिकाकर्ता ने प्रथम दृष्टया पाटन प्रदर्शित करने के लिए बी डी एच और बी पी एच दोनों की कीमत बी डी एच की कीमत के समान दावा करके प्राधिकारी को गुमराह किया है । सामान्य मूल्य के संबंध में शुद्ध अधिप्रमाणित और विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत न करना नियम 5(2) के अंतर्गत वैध आवेदन की अपेक्षाओं का उल्लंघन है । सामान्य मूल्य के संबंध में सही, प्रामाणिक और विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत न करना नियम 5(2) के अंतर्गत वैध आवेदन की अपेक्षाओं का उल्लंघन है । उपर्युक्त के मद्देनजर याचिका के साथ प्रस्तुत सामान्य मूल्य से संबंधित साक्ष्य जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त और तथ्यात्मक नहीं था । इस प्रकार जांच की शुरुआत से नियम 5(3) का उल्लंघन हुआ है । अतः जांच की शुरुआत दोषपूर्ण है व प्राधिकारी को इस बात का उल्लेख किए जाने के बाद जांच तुरंत समाप्त कर देनी चाहिए थी ।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

28. ई सी के एच एस एन वर्गीकरण इन अनुरोधों के साथ संलग्न हैं । यह देखा जाएगा कि तीन अलग-अलग वर्गीकरण हैं जैसाकि नीचे पुनः प्रस्तुत किया गया है: इस प्रकार यह देखा जाएगा कि बोरेक्स पेंटा और एनहाइड्रस बोरेक्स के लिए अलग सीमाशुल्क वर्गीकरण किया गया है । जैसाकि पहले बताया गया है, याचिकाकर्ता के पास सामान्य मूल्य का इससे बेहतर कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है । ऐसी स्थिति में याचिकाकर्ता को चीन एवं तुर्की से हुए निर्यातों के कारण हुई क्षति को देखते हुए जांच के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है ।

ई टी आई ने माना है कि भारत में और यूरोप में उपलब्ध सूचना की प्रकृति एकसमान है। वस्तुतः ई टी आई ने ई सी के अंतर्गत 8 अंकीय वर्गीकरण और भारतीय सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अंतर्गत 6 अंकीय वर्गीकरण को माना है। इस अनुरोध के साथ संगत सीमाशुल्क टैरिफ, आई टी सी वर्गीकरण तथा ई सी वर्गीकरण संलग्न हैं और भारतीय आंकड़ों एवं यूरोस्टेट आंकड़ों में उपलब्ध सूचना की प्रकृति में अंतर स्पष्ट हैं। यूरोस्टेट आंकड़ों के प्रकटन के संबंध में, यह अनुरोध किया गया है कि सूचना हमें गोपनीय आधार पर इस बात की स्पष्ट समझ के साथ उपलब्ध कराई गई है कि इसे सार्वजनिक नहीं किया जाएगा। ऐसी स्थिति में याचिकाकर्ता सूचना का खुलासा करने की स्थिति में नहीं है। तथापि, सूचना प्राप्त करने में निर्यातक की कठिनाइयों को समझा नहीं गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने जांच शुरूआत के समय टैरिफ शीर्ष 28401990 के लिए भागीदार देश तुर्की के लिए यूरोस्टेट आंकड़ों के आधार पर सामान्य मूल्य को स्वीकार किया था जो प्रमावी ढंग से संबद्ध वस्तु को डी सोडियम टेट्रा बोरेट पेंटाहाइड्रेट को छोड़कर डी सोडियम टेट्रा बोरेट के रूप में परिभाषित करता है (28401910 के अंतर्गत तथा एनहाइड्रेस बोरेट्स टैरिफ शीर्ष 28401100 के अंतर्गत आने वाले)। प्राधिकारी इस बात की पुष्टि करते हैं कि उन्होंने सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के संबंध में अपने समक्ष प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्यों की जांच के बाद इस जांच की शुरूआत की है। तथापि प्राधिकारी ने निर्यातक की सूचना का स्थान-पर सत्यापन करने के पश्चात् निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सामान्य मूल्य को स्वीकार किया है और प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ निर्यातक के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य संबंधी जानकारी की पुष्टि करने का प्रस्ताव करते हैं।

तुर्की की सरकार द्वारा किए गए अनुरोध

तुर्की सरकार ने समग्रता जांच से तुर्की को बाहर रखे जाने के बारे में अन्य निर्यातकों की दलील और अमरीका से आयातों के संबंध में कुछ मुद्दे उठाए हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने अंतिम जांच परिणामों में उचित शीर्षों में सभी मुद्दों का उचित ढंग से विश्लेषण एवं जांच की है।

सामान्य मूल्य निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

30. धारा 9 क (1)(ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:-

- (i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु के लिए उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियम के अनुसार यथानिर्दिष्ट तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो: या
- (ii) जहां निर्यातक दो या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो ता सामान्य मूल्य या तो:-
- (क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान वस्तु के उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि: या
- (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु मूलके देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत:

बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश से उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा ।

तुर्की एवं चीन जन.गण.

मे0 डालियन कैम इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट ग्रुप कं0 चीन.गण. द्वारा किए गए अनुरोध

31. माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के इन आरोपों के साथ गलती से सहमति व्यक्त की है कि चीन में संबद्ध वस्तु के निर्यात पर गैर बाजार अर्थव्यवस्था (इसके बाद इसे इसमें "एनएमई" कहा गया है) के संबंध में उक्त नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 7 और 8 के उपबंध लागू होते हैं । तथापि यह निवेदन है कि उक्त प्रारंभिक जांच परिणामों में माननीय विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने गलती से यह टिप्पणी की है कि उक्त नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ8(3) में यथापेक्षित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए हैं अर्थात् गैर बाजार अर्थव्यवस्था के तर्क को सफलतापूर्वक खण्डित करने के लिए आवश्यक सूचना/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए हैं । यह निवेदन है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने डालियान और उत्पादक को बाजार स्थिति के अंतर्गत प्रचालित कंपनियों के रूप में समझने से गलती से छोड़ दिया है। निवेदन है कि यह नोट किया जा सकता है कि चीन में बोरेक्स के व्यवसाय का क्षेत्र किसी अन्य कार्यक्षेत्र में पाटनरोधी जांच में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था स्थितियों में प्रचालित नहीं पाया गया है ।

यह निवेदन है कि डब्ल्यू टो ओ में शामिल होने की संधि में यथापरिचालित उद्योगों की सूची में बोरेक्स का देश के नियंत्रण के अंतर्गत अभिज्ञात उद्योग के रूप में उल्लेख नहीं किया गया है और इसलिए सम्मानपूर्वक यह भी निवेदन है कि इन परिस्थितियों में यह मान

लेने का प्रथम दृष्ट्या कोई उचित आधार नहीं है कि चीन में बोरेक्स व्यवसाय का क्षेत्र एन एम ई के रूप में प्रचालित है और इस प्रकार डालियान और उत्पादक को एन एम ई स्थितियों में प्रचालित करने वालों के रूप में समझने से अलग रखा जा सकता है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए उक्त नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 7 के साथ पठित पैराग्राफ 8 के उप पैरा (3) में निर्धारित उक्त मानदण्ड के संबंध में निवेदन इस प्रकार है:-

- (क) डालियान का बोरेक्स व्यापार पर एकाधिकार नहीं है और डालियान के कीमत निर्धारण और लागत निर्धारण पर देश/सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। उत्पादक कच्ची सामग्रियां खरीदता है और बाजार में व्याप्त कीमतों पर तैयार उत्पादों की बिक्री करता है जिन्हें देश/सरकार द्वारा विनियमित नहीं किया जाता है। इसके बाद डालियान ने सरकार द्वारा अप्रभावित बाजार में व्याप्त अधिक कीमतों पर जांच की उक्त अवधि के दौरान भारत को अन्य बातों के साथ-साथ बोरेक्स डेकाहाइड्रेट (इसके बाद संबद्ध वस्तु के रूप में उल्लिखित) का निर्यात किया है। इसके अतिरिक्त उत्पादक में देश/सरकार के स्वामित्व वाली सत्ताओं की कोई इक्विटी धारिता नहीं है और देश/सरकार के स्वामित्व वाली सत्ताओं द्वारा कोई निदेशक अथवा प्रबंधक नामांकित नहीं किया जाता है तथा उत्पादक अथवा इसकी कीमतों और लागतों पर राज्य/सरकार द्वारा प्रबंधन के जरिए कोई नियंत्रण नहीं है। डालियान के हाई वोल्टेज इलेक्ट्रिक पावर सप्लाय कांट्रेक्ट का नमूना प्रस्तुत किया गया है। इसके अलावा, डालियान ने अपने खर्चों, खर्च लेखाओं, निर्यात वापसी भुगतान, निर्धारित परिसम्पत्ति, कर भुगतान और माल सूचियों के संबंध में अपनी आंतरिक नियमावली से संबंधित सूचना प्रस्तुत की है।
- (ख) निवेदन है कि डालियान और उत्पादक द्वारा प्रयुक्त लेखा प्रणाली किसी बाजार अर्थव्यवस्था में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। डालियान को मूल्यवर्धित कर जो घरेलू बिक्रियों पर लगाया जाता है, की प्रतिपूर्ति (अदा किए गए मूल्यवर्धित कर का लगभग 88%) के अतिरिक्त कोई अन्य सब्सिडी प्राप्त नहीं होती और भारत जैसी बाजार अर्थव्यवस्था में प्राधिकृत डीलर के जरिए अपनी विदेशी मुद्रा प्राप्त करता है और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अपने लेखों का रख-रखाव करता है। प्रारंभिक जांच-परिणामों से संबंधित उक्त टिप्पणियों के साथ प्रस्तुत उत्पादक की क्रय शक्ति मूल्य वर्धित मांग सूचियां नमूने के रूप में है।
- (ग) यह भी अनुरोध किया गया है कि जांच अवधि के दौरान डालियान द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु के लिए भारत में अदा की गई कीमतों में तर्कसंगत लाभ मार्जिन शामिल है। यह निवेदन है कि कीमतों, कच्ची सामग्री समेत लागतों और निविष्टियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्रियों एवं निवेश के संबंध में डालियान और चीन में उत्पादकों द्वारा पूर्ति एवं मांग दर्शाने वाले बाजार संकेतकों के अनुसार निर्णय लिए जाते हैं और निविष्टियों की लागतों में उनका बाजार मूल्य प्रदर्शित होता

है। इसके अलावा, उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति के संबंध में कोई विकृति नहीं है जैसाकि उत्पादक के गोपनीय उत्तर एवं उसके साथ दी गई गोपनीय सूचना से स्पष्ट है और इसके अलावा क्योंकि उत्पादन ने राज्य की पूर्ववर्ती सम्पत्तियों में परिवर्तन या उन पर ह्रास को विकृत नहीं किया है या वस्तु विनिमय व्यापार या उधार माफी या उधार/इक्विटी की अदला-बदली में शामिल नहीं है या किसी बट्टे खाते का लाभ ही प्राप्त नहीं किया है। इसके फलस्वरूप जैसाकि उक्त गोपनीय उत्तर से स्पष्ट है कि जांच अवधि के दौरान डालियान ने संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात उसी कीमत से संगत कीमत पर किया है जिस पर उक्त संबद्ध वस्तु को निजी उत्पादक से खरीदा गया था और इसके बाव उत्पादक की घरेलू बिक्री कीमत तथा उत्पादन लागत से संगत कीमतों पर किया है। इस प्रकार भारत को डालियान की निर्यात कीमत को बाजार संकेतकों तथा वाणिज्यिक विचारधाराओं के अनुसार निर्धारित किया जाता है न कि सरकारी प्रभाव से। उत्पादक एवं डालियान ने यथा अपेक्षित ढंग से किसी उधार पर वापसी भुगतान भी कर दिया है।

- (घ) भारत की तरह विनिमय दर केंद्रीय बैंक द्वारा यथा निर्धारित बाजार दर पर आधारित है जैसाकि उक्त गोपनीय उत्तर के साथ प्रस्तुत गोपनीय आंकड़ों से प्रदर्शित होता है। इसके अलावा, डालियान और उत्पादक ने बाजार शर्तों पर बैंकों से उधार लिया है और समय अनुसूची के अनुसार अपने-अपने ऋणों का वापसी भुगतान किया है जैसाकि बाजार अर्थव्यवस्था में होता है। डालियान और उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था तंत्र के जरिए अपनी अलग-अलग भूमि भी हासिल की है। उनके द्वारा डालियान के अल्पावधि ऋण करार की एक नमूना प्रति प्रस्तुत की गई है। डालियान एवं उत्पादक इसके तथा प्रस्तुत सूचना के सत्यापन के लिए सहमत हैं।

32. पूर्वोक्त के मद्देनजर, यह अनुरोध है कि डालियान एवं उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था फर्मों/कंपनियों माने जाने संबंधी मापदंडों को पूरा करते हैं। यह अनुरोध किया गया है कि जांच अवधि के दौरान उत्पादक द्वारा चीन में की गई समस्त घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रियामें थीं और इसलिए प्रश्नावली के गोपनीय उत्तर के साथ गोपनीय आंकड़े भी जमा कराए गए हैं। यह अनुरोध किया गया है कि किसी भी स्थिति में डालियान की उक्त निर्यात कीमत जांच अवधि के दौरान उत्पादक की चीन में उक्त घरेलू बिक्री कीमत से अधिक है और यह जांच अवधि के दौरान डालियान की तीसरे देश को निर्यात कीमतों और जांच अवधि के दौरान उत्पादक की उत्पादन लागत के भी बराबर या अधिक हैं। इसमें एवं उक्त अगोपनीय उत्तर तथा प्रारंभिक जांच परिणामों में दी गई टिप्पणियों में जैसा बताया गया है, यह अनुरोध किया गया है कि जांच अवधि के दौरान डालियान द्वारा भारत में संबद्ध वस्तु का कोई पाटन नहीं किया गया है। इस प्रकार यह अनुरोध किया गया है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस विचार को गलत ढंग से लिया है कि वे उक्त नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 1 से 6 में दिए गए सिद्धांतों को लागू करने में असमर्थ हैं तथा उक्त नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्य करने को बाध्य

33. डालियन का कहना है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान डेसिक्वीओ द्वारा चीन में विनिर्मित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात किया है और वे चीन से भारत को संबद्ध वस्तु के अग्रणी निर्यातक हैं तथा वर्तमान जांच के साथ पूरे सहयोग की मंशा से उन्होंने प्रश्नावली के उक्त गोपनीय उत्तर में जांच अवधि के दौरान उत्पादक की चीन में घरेलू बिक्रियों और भारत तथा तीसरे देशों को निर्यातक की निर्यात बिक्रियों के संबंध में अलग-अलग गोपनीय आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। इसके अलावा, यह अनुरोध है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के 99.5% ग्रेड के सामान्य मूल्य एवं निर्यात-कीमत की तुलना की है जबकि डालियन संबद्ध वस्तु के केवल 95% और 99.5% का निर्यात करते हैं। इस प्रकार, यह अनुरोध है कि असमान वस्तु को वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।

ई टी आई ए एस तुर्की द्वारा किए गए अनुरोध

34. जैसाकि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को पहले ही सूचित किया जा चुका है तुर्की में संबद्ध वस्तु का केवल एक ही उत्पादक (ई टी आई ए एस) है। इस उत्पादक द्वारा उत्पादित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट ई टी आई होल्डिंग द्वारा निर्यात किया जाता है। तुर्की से संबद्ध वस्तु का कोई अन्य उत्पादक अथवा निर्यातक नहीं है। इसे ध्यान में रखते हुए, "अन्य सभी निर्यातकों के लिए अलग पाटन मार्जिन नियत करना आवश्यक नहीं है क्योंकि केवल एक ही उत्पादक ने जांच में सहयोग दिया है। माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी से तुर्की में "अन्य सभी निर्यातकों" के विरुद्ध पाटन मार्जिन और पाटन शुल्क का विलोप करने का अनुरोध है।

35. ई टी आई बोर ए.एस. को टिनकाल खनिज का खनन करने के लिए खनन अधिकार प्राप्त हैं जो विचारधीन उत्पाद के निर्माण के लिए कच्ची सामग्री हैं। बोरेक्स डेकाहाइड्रेट की उत्पादन लागत का निर्धारण करने के लिए इस उत्पाद के खनन की लागत प्रारंभिक बिन्दु बनता है। उत्पादन की यह लागत विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच के अध्यधीन हैं चूंकि ई टी आई बोर ए एस एक सरकारी कंपनी/राज्य के स्वामित्वाधीन उद्यम है इसलिए इससे मूल पद्धति में परिवर्तन नहीं होता। क्योंकि ऐसा होता तो भारत में राज्य के स्वामित्व वाले सभी उद्यम (सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम) को भी यह सिद्ध करना पड़ता कि वे "व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया में" प्रचालन कर रहे हैं। यहाँ ई टी आई बोर ए.एस. किसी संबद्ध पक्षकार से कच्ची सामग्री टिनकाल प्राप्त नहीं कर रहे हैं जिसके लिए प्राधिकारी को टिनकाल की लागत की सच्चाई का निर्धारण करना पड़े। ई टी आई बोर ए.एस टिनकाल का खनन कर रहा है और इस तरह इसके उत्पादन की लागत प्रारंभिक बिन्दु बन जाता है। यह आरोप कि कंपनी जिस कीमत पर टिनकाल प्राप्त कर रही है वह कच्ची सामग्री के

आपूर्तिकर्ता के साथ सहबद्ध होने के कारण से 'व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में नहीं है' सही नहीं है क्योंकि कच्ची सामग्री की आपूर्ति किसी सहबद्ध पक्षकार द्वारा नहीं की जा रही है। कच्ची सामग्री बोरेक्स डेकाहाइड्रेट सहित विभिन्न उत्पादों के विनिर्माण के लिए खनन करके प्रयोग की जा रही है। जब कोई उत्पाद किसी अन्य उत्पाद के विनिर्माण के लिए आबद्ध रूप से तैयार और प्रयोग किया जाता है तो इसके लिए यह मूल्य निर्धारित करने की आवश्यकता नहीं होती कि इसकी कच्ची सामग्री का बाजार मूल्य क्या है परन्तु केवल इसकी लागत निर्धारित की जाती है। चूंकि कच्ची सामग्री का कोई हस्तांतरण नहीं होता जैसाकि याचिकाकर्ता द्वारा गलत समझा गया है इसलिए यह निर्धारित करने का प्रश्न नहीं उठता कि क्या हस्तांतरण कीमत से निविष्टियों का सही बाजार मूल्य प्रदर्शित होता है। इस बात की कोई आवश्यकता नहीं है कि किसी कंपनी द्वारा आबद्ध रूप से उत्पादित किसी उत्पाद की कीमत 'उचित बाजार मूल्य' पर नियत की जाए जैसाकि याचिकाकर्ता द्वारा ऐसा करने की मांग की गई है। यदि टिनकाल का एक हिस्सा तुर्की में बेचा जाए अथवा किसी अन्य देश को निर्यात किया जाए तो वह कीमत संगत नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

36. चीन जन.गण से सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में घरेलू उद्योग का यह अनुरोध है कि उक्त सभी मानदंडों की अनुबंध 1 के पैराग्राफ 1 से 6 के अनुसार सामान्य मूल्य का दावा करने वाले किसी निर्यातक द्वारा जांच करने की आवश्यकता होती है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्रारंभिक जांच परिणामों के अनुसार इस कंपनी के संबंध में पाटन मार्जिन के निर्धारण की पुष्टि की जानी आवश्यक है। तुर्की से आयातों के संबंध में उन्होंने अभ्यावेदन दिया है कि संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए प्रमुख कच्चा माल टिकल है। निर्यातक का यह दावा है कि कच्चा माल पर्याप्त मात्रा में तथा काफी कम कीमतों पर उपलब्ध है। इसी के साथ, यह कंपनी एक राज्य स्वामित्व वाली कंपनी है। इस तरह का मामला होते हुए, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि याचिकाकर्ता ने किस प्रकार यह निर्धारित किया है कि उत्पादन लागत विवरण में टिकल पर प्रभारित की जाने वाली कीमत सही एवं उचित है। जिन कीमतों पर कंपनी को टिकल प्राप्त हो रहा है वे कच्चे माल के आपूर्तिकर्ता के साथ संबद्ध होने के कारण व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में नहीं है, तथा याचिकाकर्ता सोचमें हैं कि जब खदानों से प्राप्त होने वाले प्राकृतिक उत्पाद का कीमतीकरण उसके उचित बाजार मूल्य पर नहीं हुआ है, तब कंपनी यह दावा किस तरह कर सकती है कि उन्होंने कंपनी द्वारा वहन की गई उत्पादन लागत को विचार में रखते हुए टिकाल का उचित हस्तांतरण किया है।

37. घरेलू उद्योग ने आगे यह बताया है कि विशेष बाजार स्थिति के मामले में सामान्य मूल्य घरेलू बिक्री पर आधारित नहीं किया जा सकता। इस मामले में जिन परिस्थितियों में निर्यातक प्रचालन कर रहा है (प्रमुख कच्ची सामग्री की इन-हाउस खरीद की जा रही है और इस प्रकार की प्रमुख कच्ची सामग्री का उत्पादन प्राकृतिक रूप से खनिज उत्पाद के प्रयोग से किया जा रहा है जो उक्त निर्यातक को उक्त कंपनी को स्वयं उसकी सरकार द्वारा प्रदत्त खनिज अधिकारों को प्रभावित किए बिना निर्यातक को सुलभ है जिसका इस प्रकार के प्राकृतिक रूप से खनिज उत्पादों पर स्वामित्व है), वह विशेष बाजार स्थिति है। इस प्रकार की विशेष बाजार स्थिति का आकलन केवल ऐसी निविष्टि के उचित बाजार मूल्य का निर्धारण करके ही किया जा सकता है। प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग ने चीनी उत्पादक के साथ एम ई टी व्यवहार को समाप्त करने का अनुरोध किया है क्योंकि उन्होंने अब भी अपेक्षित आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं और उत्पादक ने प्राधिकारी को प्रस्तुत सूचना में पूर्ण लागत को भी नहीं बताया है। जहां तक ई टी आई होल्डिंग्स का संबंध है घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से उत्पादन की लागत के बारे में निर्यातक द्वारा रखे गए रिकार्ड की बजाए मुख्य कच्ची सामग्री के उचित बाजार मूल्य पर विचार करने के लिए अनुरोध किया है। उन्होंने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए कारखाना-बाह्य कीमत का परिकलन करने के लिए निर्यातक द्वारा दावा किए गए कुछ कीमत समायोजनों पर भी विवाद किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच - मै0 डेशिक्वियाओ, चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य

38. प्राधिकारी ने धारा 9क(i)(ग) के अनुसार जांच के लिए संगत सूचना और टिप्पणियां, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने लिए चीन जन.गण. के ज्ञात निर्यातकों को अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने भारत स्थित चीन के दूतावास तथा ज्ञात निर्यातकों को भी पत्र लिखकर यथासंशोधित पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के आलोक में याचिकाकर्ता के दावे का परीक्षण करने का प्रस्ताव किया है। चीन के निर्यातकों में से केवल एक निर्यातक अर्थात् मै0 डेलियन कैम इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ग्रुप कं0 चीन जन.गण. तथा उत्पादक मै0 डेशिक्वियाओ ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है। यह पाया गया है कि मै0 डेलियन कैम इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ग्रुप चीन जन.गण. ने मै0 डेशिक्वियाओ हुआक्सिन केमी कं0 लियोनिंग प्रॉवेंस चीन जन.गण. के आंकड़े और समर्थन प्राप्त किया है जो जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक रहा है। मै0 डेलियन कैम ने जांच अवधि के दौरान कोई घरेलू बिक्री नहीं की है जबकि संबद्ध वस्तु के उत्पादक ने जांच अवधि के दौरान कुछ घरेलू बिक्री की है। चीनी निर्यातक मै0 डेलियन कैम तथा उनके उत्पादक मै0 डेशिक्वियाओ, जिन्होंने प्राधिकारी की निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया था ने, उपर्युक्त पैरा में किए गए निवेदनों के आधार पर बाजार आर्थिक व्यवहार का अनुरोध किया है। दावे के सकारात्मक पहलुओं की जांच करते हुए, प्राधिकारी ने यह जांच करने की चेष्टा की है कि जिन उत्पादक/निर्यातक ने कार्यवाहियों में सहयोग दिया है वे बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश की तुलना में राज्य से किसी हद तक कानूनी तथा वास्तविक रूप से स्वतंत्र थे तथा जो पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 1-6 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण की कार्यवाहियों में प्राधिकारी को सही ठहराते हुए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 तथा 8 के संबंध में विखंडन को स्वीकार करने में स्वयं को सही सिद्ध करते हैं। इस उद्देश्य के लिए स्वामित्व, प्रबंधन नियंत्रण, वाणिज्यिक तथा व्यापारिक नीतियों के निर्धारण के संबंध में विस्तृत प्रश्न निर्यातक/उत्पादक को तथा एम ओ एफ सी ओ एम, बीजिंग को संबोधित

किए गए थे। मै0 डेलियन केम/डेशिक्वियाओ तथा एम ओ एफ सी ओ एम के अतिरिक्त किसी ने भी प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है, उनकी कार्यवाहियां बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए अर्हता प्राप्त करने हेतु चीनी प्राधिकारियों से पर्याप्त रूप से स्वतंत्र हैं।

39. मै0 डेशिक्वियाओ, चीन जन.गण में समाविष्ट एक कानूनी निकाय है जिसे राज्य/सरकार से कोई इक्विटी होल्डिंग्स प्राप्त नहीं है। प्राधिकारी ने यह जांच करने के लिए कि कंपनी किस तरह की परिस्थितियों में कार्य करती है तथा राज्य के साथ उसके संबंध कैसे हैं, कंपनी के परिसरों में मौके पर जांच की तथा राज्य कानूनों तथा बाजार अर्थव्यवस्था मुद्दों, विशेषकर पूर्व में भेजी गई प्रश्नावली को सुनिश्चित करने के संबंध में एम ओ एफ सी ओ एम के साथ एक बैठक की व्यवस्था भी की गई। विशेष रूप से, कंपनी प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए यह प्रदर्शित करने में समर्थ रही कि उत्पादन, विपणन तथा कीमत के संबंध में फैक्टरी का प्रबंधन तथा नियंत्रण स्पष्ट रूप से उनके हाथों में है तथा उनकी कार्यवाहियां राज्य से पर्याप्त रूप से स्वतंत्र हैं।

40. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए सहयोगी निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करना और परिणामतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 1-6 के तहत सामान्य मूल्य के निर्धारण की कार्रवाई करना संभव समझा गया था।

41. एकमात्र सहयोगी निर्यातक/उत्पादक मै0 डेशिक्वियाओ के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए पहले यह निर्धारित किया गया कि क्या निर्यातक देश में संबंधित संबद्ध उत्पाद की कुल बिक्री की तुलना में, उत्पादक द्वारा संबद्ध वस्तुओं की कुल घरेलू बिक्री प्रतिनिधिक हैं तथा क्या पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के नियम 2 के संबंध में उनकी बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सहयोगी निर्यातक की घरेलू बिक्रियां, प्रतिनिधिक बिक्रियां थीं। यह पता करने के लिए कि क्या ये व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में है, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत का विश्लेषण किया तथा संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री कीमतों के संबंध में सहयोगी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सौदेवार ब्यौरे के साथ उसकी तुलना की है। प्राधिकारी ने सहयोगी निर्यातक द्वारा उसकी लेखा-बहियों में रखे गए रिकॉर्ड के अनुसार संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत का आगे सत्यापन किया और यह पाया कि लागत संबंधी विभिन्न तत्वों से पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के नियम 1 में यथानिर्धारित विभिन्न निविष्टियों की वास्तविक लागत और उपयोगिताएं प्रदर्शित नहीं होती हैं और इसलिए प्राधिकारी ने सामान्य लेखा सिद्धांतों के अनुसार निविष्टियों की लागत और उपयोगिताओं का विभाजन करने के बाद संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत को परिकलित करने की कार्रवाई की। प्राधिकारी ने यह पाया कि सहयोगी

निर्यातक की घरेलू बिक्री के सभी सौदे पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के नियम 2 के अनुसार व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में नहीं किए गए हैं। अतः प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(i)(ग)(ii)(ख) के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया।

42. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी द्वारा मै0 डेशिक्वियाओ/डेलियन कैम इंपोर्ट तथा एक्सपोर्ट ग्रुप कं0 चीन जन.गण. के लिए निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य *** अम.डा./मी.टन बनता है। सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन निर्धारण की गोपनीय प्रति संलग्न हैं (केवल सहयोगी निर्यातक के लिए)।

निर्यात कीमत:

43. मै0 डेलियन कैम इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट ग्रुप कं0, चीन जन.गण. के लिए निर्यात कीमत की पुष्टि भारत को निर्यात के समय उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा संदेय कीमतों के आधार पर की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान निर्यातक द्वारा भारत को *** अमरीकी डालर की *** मी.टन संबद्ध वस्तु का निर्यात किया गया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए निर्यातक ने छूट, परिवहन, बीमा, हैंडलिंग, लदान तथा अन्य खर्चों के लिए समायोजन किए हैं। प्राधिकारी ने प्रारंभिक निर्धारण के सीमित प्रयोजनार्थ कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए संबद्ध वस्तु के निर्यातक तथा उत्पादक द्वारा किए गए समायोजनों को आगे जांच और सत्यापन के अधीन स्वीकार किया है। कारखाना द्वार पर निवल निर्यात कीमत *** अम.डा./मी.टन बनती है।

44. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने 95% तथा 99.9% ग्रेड के तहत संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु के सक्रिय संघटक बी 2 ओ 3 हैं, जो 99.9% ग्रेड वाली संबद्ध वस्तु के लिए 36.5% हैं। प्राधिकारी ने बी 2 ओ 3 के सक्रिय संघटक को 36.5% के रूप में लेते हुए 99.9% ग्रेड के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना की है।

पाटन मार्जिन:

45. सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम तथा पाटनरोधी नियमावली में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण से संबंधित सिद्धांतों का उल्लेख

नियमावली के अनुबंध-1 में किया गया है। पाटन मार्जिन का निर्धारण भारित औसत सामान्य मूल्य के साथ भारित औसत निर्यात कीमत की तुलना के आधार पर किया गया है। चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यातक द्वारा दिए गए लाभ मार्जिन के साथ चीन में मै0 डेशिक्विआओं के संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है। समायोजनों के पश्चात् निवल कारखाना द्वार निर्यात कीमत *** अम.डा./मी.टन तक निकलती है। प्राधिकारी द्वारा चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के निर्यात हेतु पाटन मार्जिन *** अम.डा./मी.टन अथवा निर्यात कीमत का% निर्धारित किया गया है।

चीन जन.गण के अन्य निर्यातक

46. प्राधिकारी ने उपर्युक्त धारा के अनुसार जांच से संगत सूचना और टिप्पणियां, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने के लिए चीन जन.गण के ज्ञात निर्यातकों को अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने भारत स्थित चीन के दूतावास को भी पत्र लिखा। तथापि, चीन के किसी अन्य निर्यातक ने सूचना हेतु प्राधिकारी के अनुरोध का उत्तर नहीं दिया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के बारे में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे का अन्य हितबद्ध पक्ष (पक्षों) द्वारा विरोध नहीं किया गया है। चीन जन.गण. से बड़ी संख्या में उत्पादकों एवं निर्यातकों के असहयोग को देखते हुए, तथा स्वतंत्र स्रोतों से अन्य विश्वस्त जानकारी के अभाव में, तथा असहयोग को किसी भी प्रकार से लाभ न प्रदान करने के लिए, शिकायत के अनुसार पाटन के उच्चतम मार्जिन के उपर्युक्त मानकीकरण के पश्चात् अवशिष्ट पाटन मार्जिन पर आधारित करना उचित समझा गया। अतः प्राधिकारी द्वारा चीन जन.गण से बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के असहयोगी/अन्य निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन का मूल्यांकन *** अम.डा./मी.टन तथा निर्यात कीमत केपर किया जाता है।

तुर्की

मै0 ईटीआई होल्डिंग्स ए.एस. तुर्की तथा मै0 बोरोकैमी इंटरनेशनल पीटीई लि0, सिंगापुर

47. मै0 ईटीआई होल्डिंग्स, ए.एस. ने जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती दो वर्षों के दौरान अपने एजेंट मै0 बोरोकैमी इंटरनेशनल पीटीई लि0, सिंगापुर के जरिए भारत को बोरेक्स डेकाहाइड्रेट का निर्यात किया। मै0 ईटीआई होल्डिंग्स ए.एस. ने अनुरोध किया है उसकी 100% सहायक कंपनी मै0 ईटीआई बोर ए.एस. संबद्ध वस्तु का विनिर्माण करती है और समूचे देश में अपने डिपो के जरिए घरेलू बाजार में बिक्री करती है। तथापि, ईटीआई बोर ए.एस. उत्पाद का सीधे निर्यात नहीं करती है क्योंकि यह अपनी होल्डिंग कंपनी ईटीआई

होल्डिंग्स ए.एस. को उत्पाद की बिक्री करती है जो मै0 बोरोकैमी इंटरनेशनल पी टी ई लि0, सिंगापुर के जरिए भारत को निर्यात करती है। उत्पादों तथा निर्यातक, दोनों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है। तुर्की में एकमात्र निर्यातक/उत्पादक मै0 ईटीआई बोर के लिए सामान्य मूल्य की पुष्टि करने के प्रयोजनार्थ इस बात का सर्वप्रथम निर्धारण किया गया था कि निर्यातक देश में बेची गई संबद्ध वस्तु की उनकी कुल बिक्री की तुलना में क्या उत्पादक मै0 ई टी आई बोर द्वारा की गई संबद्ध वस्तु की कुल घरेलू बिक्रियां प्रतिनिधिक थीं और क्या उनकी बिक्रियां पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के नियम 2 के अनुसार व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जांच अवधि के दौरान निर्यातक की घरेलू बिक्रियों की सौदेवार सूचना की जांच करने के बाद मै0 ई टी आई बोर की घरेलू बिक्रियां प्रतिनिधिक बिक्रियां थीं तथा वे व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में भी की गई थीं। घरेलू उद्योग ने यह आवेदन दिया है कि उनकी प्रमुख कच्ची सामग्री 'टिकल' का मूल्य निर्धारण उस लागत पर किया जाना चाहिए जिस पर उसकी बिक्री निर्यात के देश और अन्य देशों के घरेलू बाजार में की जाती है। उन्होंने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि वह निविष्टि टिकल के प्रोफार्मा प्रस्ताव पर विचार करें जिसमें उसकी बिक्री के लिए *** अमरीकी डालर की कीमत उद्धरित की गई है।

48. निर्यातक ने इस आशय का अभ्यावेदन दिया है कि मै0 ईटीआई बोर ए एस द्वारा खनित प्रमुख कच्ची सामग्री 'टिकल' की खपत उक्त कंपनी द्वारा स्वयं विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण हेतु की जाती है और 'टिकल' की खनन लागत संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत का हिस्सा है। ई टी आई बोर ए एस द्वारा 'टिकल' की खरीद किसी अन्य संबद्ध कंपनी से भी नहीं की जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि खरीदी गई और बोरैक्स डेकाहाइड्रेट के विनिर्माण में कैप्टिव रूप से खपत की गई 'टिकल' का मूल्य निर्धारण उत्पादन की वास्तविक लागत के अनुसार किया गया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि उक्त निविष्टि की केवल वास्तविक उत्पादन लागत को ही संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत में शामिल किया गया है।

49. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के इस तर्क की जांच की है कि उक्त कंपनी राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी है और ऐसा मामला होने के कारण यह स्पष्ट नहीं होता है कि याचिकाकर्ता ने किस प्रकार वह कीमत सिद्ध की है जिस पर उत्पादन लागत के विवरण में प्रमुख कच्ची सामग्री (टिकल) की कीमत प्रभारित की गई है और इस प्रकार कंपनी द्वारा जिस कीमत पर टिकल प्राप्त की जा रही है वह इस बात को ध्यान में रखते हुए कि मै0 ई टी आई बोर एकमात्र ऐसी कंपनी है जिसके पास तुर्की में खनन अधिकार हैं और वह खनन से लेकर उत्पादन तक का समग्र प्रचालन नियंत्रित करती है, कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ता

से संबद्ध होने के कारण व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में नहीं है। प्राधिकारी ने मै0 ई टी आई बोर की उत्पादन लागत का सत्यापन किया है और मौके पर वास्तविक सत्यापन के बाद यह निर्धारित किया है कि कच्ची सामग्री टिकल की आपूर्ति किसी संबद्ध कंपनी द्वारा नहीं की जा रही है बल्कि उसी कंपनी द्वारा की जा रही है जो घरेलू बाजार में उक्त वस्तु की बिक्री कर रही है। प्राधिकारी ने यह भी सत्यापित किया है कि घरेलू बाजार में टिकल सांद्रण की मामूली मात्रा की ही बिक्री की जाती है और वह भी विश्वविद्यालयों जैसे ग्राहकों को तथा अनुसंधान एवं विकास संबंधी प्रयोजनों के लिए और इसलिए टिकल की बिक्री कीमत को प्रतिनिधिक मूल कीमत नहीं माना जा सकता। शेष टिकल का उपयोग अन्य बोरों उत्पादों के उत्पादन हेतु उनके संयंत्र में किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि टिकल की कुल उत्पादन लागत ***/टन है जबकि अंतरण कीमत *** /मी.टन थी, जो चिल्का से बादीरामा तक ढलाई हेतु अंतर्देशीय भाड़े को प्रदर्शित करने वाली उच्चतर लागत थी। प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध, पैरा (v) के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्कर्ष की भी जांच की है और यह निर्धारित किया है कि कैप्टिव रूप से प्रयुक्त कच्ची सामग्री के मूल्य के निर्धारण से इस पैराग्राफ का कोई संबंध नहीं है। प्राधिकारी ने टिकल, जो कि प्रमुख कच्ची सामग्री है की लागत और बंडोरामा स्थित संयंत्र तक उसकी भाड़ा लागत को हिसाब में लेते हुए संबद्ध वस्तु की वास्तविक उत्पादन लागत का सत्यापन किया है और इस प्रकार वह यह निर्धारित करते हैं कि तुर्की में संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री कीमत पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के उपनियम 2 के तहत उत्पादन लागत से अधिक है और इस प्रकार घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई हैं। आगे यह नोट किया जाता है कि मै0 ई टी आई बोर ए एस ने संबद्ध वस्तु की *** टी एल कीमत पर *** मी.टन की बिक्री की है और जांच अवधि के दौरान भारत औसत सामान्य मूल्य *** अम.डा./मी.टन बनता है। घरेलू बिक्रियों के लिए कारखाना द्वार पर घरेलू बिक्रियों की पुष्टि मै0 ई टी आई बोर ए एस द्वारा उल्लिखित हैंडलिंग प्रभारों और स्वदेशी भाड़े के लिए समायोजन करने के बाद की गई है। कारखाना द्वार पर ई टी आई बोर ए एस के लिए भारत औसत सामान्य मूल्य *** अम.डा./मी.टन बनता है। सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की गणना की गोपनीय प्रति संलग्न अनुबंध में दी गई है।

निर्यात कीमत

50. निर्यात मै0 बोरोकैमी इंटरनेशनल के जरिए मै0 ई टी आई होल्डिंग्स ए.एस. के लिए निर्यात कीमत भारत को उक्त उत्पाद की बिक्री के समय वास्तविक रूप से संदत्त अथवा उत्पाद की बिक्री के आधार पर निर्धारित की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के *** मी.टन का निर्यात किया गया है जिसकी

कीमत *** अमरीकी डालर है । कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए निर्यातक ने छूट, परिवहन, बीमा, हैंडलिंग, लदान तथा अन्य खर्चों के लिए समायोजन किए हैं । कारखाना द्वार पर भारित निवल निर्यात कीमत *** अम.डा./मी.टन बनती है ।

पाटन मार्जिन

51. सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम तथा पाटनरोधी नियमावली में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन-मार्जिन के निर्धारण से संबंधित सिद्धांतों का उल्लेख नियमावली के अनुबंध-1 में किया गया है । पाटन मार्जिन की पुष्टि भारित औसत सामान्य मूल्य और भारित औसत निर्यात कीमत की तुलना के आधार पर की गई है । प्राधिकारी द्वारा सहयोगी निर्यातक के लिए तुर्की से संबद्ध वस्तु के निर्यातों के लिए पाटन मार्जिन *** अम.डा./मी.टन अथवा निर्यात कीमत का % निर्धारित किया गया है ।

तुर्की के अन्य निर्यातक

52 तुर्की में संबद्ध वस्तु का अन्य कोई उत्पादक नहीं है और समस्त संबद्ध वस्तु का निर्यात उनके निर्यातक मै0 बोरोकेम इंटरनेशनल द्वारा किया गया है । इस तथ्य के मद्देनजर कि प्राधिकारी ने संबद्ध देश से 100% निर्यातों की जांच की है और यह तथ्य कि उस देश में अन्य कोई उत्पादक नहीं है तथा तुर्की से किसी अन्य निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है, अवशेष पाटन मार्जिन को सहयोगी निर्यातक के लिए परिकलित किए गए पाटन मार्जिन पर आधारित रखना उचित माना गया है । इस प्रकार, प्राधिकारी ने तुर्की के बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के असहयोगी/अन्य निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन, *** अम.डा./मी.टन अथवा निर्यात कीमत का % निर्धारित किया है ।

देश/उत्पादक/निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन%
ईटीआई होल्डिंग्स, तुर्की और मै0 बोरोकेम. इंटरनेशनल	***	***	***	12.44
तुर्की में अन्य उत्पादक	***	***	***	12.44
दाशिकियो होक्सिन केमी. कं0 एंड मै0 दालियान केम. इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ग्रुप कं0 लि0 चीन पी.आर	***	***	***	26.58

चीन पी.आर. में अन्य उत्पादक	***	***	***	96.5
--------------------------------	-----	-----	-----	------

क्षति

याचिकाकर्ता द्वारा किए गए निवेदन

संचयी मूल्यांकन

53. चीन और तुर्की के निर्यातक भारतीय बाजार में बोरेक्स डिकाहाइड्रेट का पाटन कर रहे हैं। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 11(iii) में अपेक्षित है कि यदि एक से अधिक देशों से उत्पाद के आयातों पर एक साथ पाटनरोधी जांच की जानी है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी, ऐसे आयातों का तभी संचयी मूल्यांकन करेगा, यदि वह निर्धारित करता है कि:-

(क) यदि प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत की प्रतिशतता के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है तथा प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा, समान वस्तु के आयात का तीन प्रतिशत है या जहां पर प्रत्येक देश का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है तो संचयी रूप से आयात, समान वस्तु के आयातों से सात प्रतिशत से अधिक बनते हैं।

(ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति में आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित है।

जैसा कि पीछे देखा जा सकता है प्रत्येक सम्बद्ध देश से पाटन मार्जिन ऊपर प्रस्तावित सीमा से अधिक है। विभिन्न देशों से आयातों की मात्रा, इस याचिका के साथ संलग्न आयातों के विवरण में दी गई है। चाहे डी जी सी आई एण्ड एस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों पर विचार किया जाए या गौण स्रोतों द्वारा प्रदत्त आंकड़ों पर विश्वास किया जाए, यह देखा गया है कि प्रत्येक सम्बद्ध देश से आयातों की मात्रा प्रस्तावित सीमा से अधिक है। अतः आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित है क्योंकि सम्बद्ध देशों से निर्यातों की, भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई समान वस्तुओं से सीधे प्रतिस्पर्धा है। अतः प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह सम्बद्ध देशों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी रूप से मूल्यांकन करें।

54. याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि डी जी सी आई एंड एस द्वारा दिये आंकड़े उचित नहीं हैं क्योंकि अन्य उत्पाद इस बर्गीकरण के अंतर्गत स्पष्ट दिए गए हैं तथा गौण स्रोतों द्वारा संकलित आंकड़े सम्पूर्ण नहीं हैं क्योंकि इन स्रोतों में सभी पत्तन शामिल नहीं किए गए हैं। अतः गौण स्रोतों द्वारा दिए गए आयातों पर न्यूनतम ज्ञात आयातों के रूप में विचार किया जाना चाहिए। जहां तक चीन का संबंध है, चूंकि याचिकाकर्ता के समक्ष चीन से निर्यातों के बारे में सूचना उपलब्ध है अतः उस पर विश्वास किया गया है। यह देखा गया कि दो देशों से आयातों की वास्तविक मात्रा 10,000 एम.टी. है। आगे यह निवेदन किया गया है कि तुर्की के स्थान पर चीन से आयात की मात्रा अधिक है। आयात आंकड़े दर्शाते हैं कि सम्बद्ध देशों से आयात की मात्रा में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता ने यह भी निवेदन किया है कि तुर्की के स्थान पर चीन जनवादी गणराज्य से आयात की मात्रा अधिक है।

मै0 ई टी आई ए.एस. तुर्की - तुर्की सरकार के विचार

55. मै0 ई टी आई होल्डिंग्स ने अभ्यावेदन किया है कि क्षति के कई मापदंडों में सकारात्मक विकास दर्ज किए गए हैं और इसलिए क्षति का निर्धारण गलत है तथा जांच परिणाम वापस लिए जाने के योग्य है। उन्होंने आगे कहा है कि घरेलू उद्योग के लिए कोई कीमत ह्रास या कीमत दबाव नहीं है और उन्होंने अनंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा विश्वास किए गए तथ्यात्मक आंकड़ों का भी विरोध किया है। आगे यह जोड़ा गया है कि प्राधिकारी ने जांच अवधि के लिए आंकड़ों की तुलना वर्ष 1999-2000 के आंकड़ों से की है, यह तुलना सही नहीं है चूंकि मध्यवर्ती अवधि के दौरान पाटन का कोई आरोप नहीं है। उन्होंने प्रारंभिक स्टॉक, उत्पादन तथा अंतःशेष स्टॉक अवधियों के संबंध में प्राधिकारी द्वारा किए गए अनंतिम निर्धारण का भी विरोध किया है। संयुक्त राज्य से आयात हो रहे हैं और उनसे घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है। तथापि, घरेलू उद्योग द्वारा यह दिखाना जैसे कि संयुक्त निर्यात से कोई निर्यात नहीं हो रहा है, एक सुविचारित प्रयास प्रतीत होता है। डी जी सी आई एस के आंकड़ों के आधार पर प्राधिकारी के जांच परिणाम गलत हैं, चूंकि डी जी सी आई एस आंकड़ों में अन्य उत्पादों, जैसे बोरेक्स पेंटाहाइड्रेट की कीमतें शामिल हैं। तुर्की सरकार तथा निर्यातकों ने चीन जन.गण. से आयातों के साथ तुर्की से आयातों के संचयन के बारे में भी चिंता प्रकट की है। उन्होंने प्राधिकारी से संचयी मूल्यांकन करने का निर्णय लेने के पूर्व यह विचार करने का कि क्या तुर्की और चीन के आयातों के बीच कोई प्रतिस्पर्धा है और दोनों देशों से आयातों की मात्रा तथा कीमत कटौती पर विचार करने का निवेदन किया है। प्राधिकारी द्वारा जारी प्रकटन विवरण के बाद निर्यातक ने पुनः यह अभ्यावेदन किया कि प्राधिकारी ने तुर्की और चीन जन.गण. से आयातों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों का मूल्यांकन नहीं किया। उन्होंने यह निवेदन भी किया है कि यदि प्राधिकारी इस पहलू का मूल्यांकन करें तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि जहां तक तुर्की से आयातों का संबंध है, कारणात्मक संबंध मौजूद नहीं होगा।

डेलियन केम, चीन द्वारा किए गए निवेदन

56. चीन के निर्यातकों ने अभ्यावेदन किया है कि घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में आंशिक कमी अस्थायी हो सकती है और यह संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने वाले याचिकाकर्ता द्वारा किए जा रहे प्रौद्योगिकी परिवर्तन में प्रारंभिक कठिनाइयों के परिणामस्वरूप हो सकती है। उन्होंने प्राधिकारी से क्षति के मूल्यांकन में घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन का मूल्यांकन करने का निवेदन किया है। बिक्री मात्रा के संबंध में उन्होंने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग में घरेलू बाजार में उत्पादित तथा बिक्री की जाने वाली संबद्ध वस्तु की औसत निवल बिक्री कीमत में बहुत कम गिरावट आई है। उन्होंने भारत तथा चीन में विनिर्माण कुशलता में अंतर की ओर भी संकेत किया है और चीन जन.गण. में उत्पादक के प्रचालन तथा मात्रा की किफायतों, कच्ची सामग्री, प्रक्रिया, प्रापण लागत, तथा

माल वहन एवं बेहतर अवसंरचना और जांच अवधि के दौरान भारत में आर्थिक मंदी की ओर प्राधिकारी का ध्यान आकर्षित किया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने भारत में पूंजी लागत और विशेष रूप से याचिकाकर्ता के ऋण सेवा भार को मुख्य रूप से दर्शाया है।

57. उन्होंने प्राधिकारी का ध्यान जांच अवधि के लिए डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों की ओर दिलाया है और आगे दावा किया है कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों की तुलना मलेशिया तथा यू एस ए द्वारा किए गए निर्यातों से भी की गई थी। इसके अतिरिक्त उन्होंने इंगित किया है कि जांच अवधि के दौरान यू एस ए से तुलनीय कीमतों पर पर्याप्त संबद्ध वस्तु का आयात हुआ है। उन्होंने घरेलू उद्योग की कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री के संबंध में प्राधिकारी के जांच परिणाम का विरोध किया है और प्राधिकारी से कारणात्मक संबंध के बेहतर मूल्यांकन के लिए यू एस ए से आयातों के आंकड़ों की आगे जांच करने का निवेदन किया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने संकेत किया है कि याचिकाकर्ता को होने वाला घाटा बोरेक्स डेकाहाइड्रेट की उत्पादन प्रक्रिया में उपयोग होने वाले कच्चे माल में परिवर्तन के कारण है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

58. देश में संबद्ध वस्तु का पाटन लंबे समय से हो रहा है। जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा पहले दावर की गई याचिका से देखा जा सकता है, आयातों में धीरे-धीरे वृद्धि हुई है। यह वृद्धि संबद्ध देश से आयातों द्वारा घरेलू कीमतों में लगातार कीमत कटौती के कारण है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि पिछले कुछ समय से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। यह तथ्य कि पिछले कुछ समय से घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है, एक के बाद एक भारतीय उत्पादकों द्वारा उत्पादन के क्रमिक स्थगन से स्थापित होता है। वस्तुतः, संबद्ध वस्तु के कई उत्पादक व्यावसायी बन गए हैं और उन्होंने सामग्री का आयात करना प्रारंभ कर दिया है चूंकि ये उत्पादक संबद्ध देश से आयातों के आघात का सामना नहीं कर सके। घरेलू उद्योग ने चीन तथा तुर्की से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी मूल्यांकन करने का अनुरोध किया है।

1. आयातों में पिछले वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई है। आयातों में (i) सापेक्ष रूप से; (ii) उत्पादन की तुलना में; और (iii) भारत में उपभोग की तुलना में वृद्धि हुई है। पिछले वर्षों में घरेलू उद्योग के उत्पादन में गिरावट आई है। यद्यपि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में उत्पादन में वृद्धि हुई, तथापि पूर्व में उत्पादन का स्तर बहुत कम था। उत्पादन में गिरावट के परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग में गिरावट आई है और हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है, पिछली अवाधे की तुलना में जांच अवधि में इसमें गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के अंतःशेष स्टॉक में वृद्धि हुई है। फलतः स्टॉक में उत्पादन के औसत दिनों की संख्या में वृद्धि हुई है।

2. यद्यपि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है, तथापि घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमत घटाने को बाध्य हुआ है। संबद्ध देश से आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम था। आयातों की पहुँच कीमत और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और क्षति रहित कीमत से कम थी। इस प्रकार, आयात घरेलू उद्योग द्वारा कीमत में प्रभावकारी वृद्धि में बाधा डाल रहे थे और बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास/दमन कर रहे थे। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी का ध्यान प्रतिकूल नकद प्रवाह तथा घरेलू उद्योग द्वारा लगातार उठाए जा रहे घाटे की ओर दिलाया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

59. उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-II के अंतर्गत जब क्षति के बारे में निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में, '.....पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में मूल्यों पर उनका प्रभाव, ऐसे वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामकारी प्रभावों समेत सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए' घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा। मूल्यों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच करनी आवश्यक समझी जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों से मूल्यों में पर्याप्त गिरावट रही है अथवा क्या अन्यथा ऐसे आयातों का उद्देश्य मूल्यों को काफी हद तक स्थिर रखना है अथवा मूल्य वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी हद तक हो गई होती।

60. पूर्वोक्त नियम के अंतर्गत अनुबंध II (iii) में प्रावधान है कि यदि एक से अधिक देश से उत्पाद के आयातों पर एक साथ पाटनरोधी जांच की जानी है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों का संचयी मूल्यांकन केवल तभी करेगा जब वह निर्धारित करता है कि यदि प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन कीमत की प्रतिशतता के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक हैं तथा प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा, समान वस्तु के आयात का तीन प्रतिशत है या जहां पर प्रत्येक देश का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है तो संचयी रूप से आयात, समान वस्तु के आयात से सात प्रतिशत से अधिक बनते हैं तथा आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति में आयात का संचयी मूल्यांकन उचित है।

61. एक से अधिक देश से आयातों के मामले में दो शर्तें निर्धारित की गई हैं, अर्थात् पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक होना चाहिए और आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति में आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित होना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयात नियमावली के अंतर्गत निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक हैं। संचयी मूल्यांकन की शर्तों के दूसरे भाग के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस तथ्य के परिप्रेक्ष्य में-

- i. आयातित उत्पाद और घरेलू उद्योग के उत्पाद समान वस्तु हैं
- ii. दोनों देशों से आयातों से घरेलू बाजार में कीमतों में अलग-अलग कटौती हो रही है
- iii. दोनों संबद्ध देशों से आयात तथा घरेलू बाजार एक ही बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं चूंकि दोनों उत्पाद एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग हो रहे हैं, ऐसा करना उचित है ।

62. इस संबंध में प्राधिकारी ने निम्नलिखित का संदर्भ लिया:

- (i) घरेलू उद्योग द्वारा की गई उपभोक्ता-वार बिक्रियां, प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा पहचान कराए गए आयातकों का ब्यौरा तथा गौण स्रोत के आंकड़ों द्वारा उपलब्ध कराए गए आयातों के नाम
- (ii) विभिन्न देशों से आयातों तथा घरेलू उद्योग के बीच समरूपता की सीमा
- (iii) विभिन्न देशों से और घरेलू उद्योग के उत्पादों के आयातों के समान भौगोलिक बाजार में बिक्री की विद्यमानता
- (iv) विभिन्न देशों से और घरेलू उद्योग से आयातों के लिए वितरण का सामान्य या समान चैनल की मौजूदगी; और
- (v) क्या आयात एक ही समय में बाजार में उपलब्ध हैं अथवा नहीं ।

63. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ ही दोनों देशों से पृथक-पृथक आयातों की पहुंच कीमत की आगे जांच की है । यह देखा गया है कि चीन जन.गण. के मामले में कीमत कटौती अपेक्षाकृत अधिक होने के बावजूद आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है । प्राधिकारी ने आयातों की पहुंच कीमत की घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और उत्पादन की लागत से भी तुलना की है । यह देखा गया है कि दोनों देशों से आयात अलग-अलग घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत से कम हैं और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत, घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत से भी कम है । इसलिए संबद्ध देशों से पृथक-पृथक आयातों के कारण घरेलू उद्योग में कम कीमत पर बिक्री हो रही है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन का मार्जिन और संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा ऊपर निर्देशित सीमा से अधिक है । चीन जन.गण. और सिंगापुर से आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन उचित है क्योंकि इन देशों से हो रहे निर्यातों की कीमत, भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित कीमतों के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा कर रही थी और यहां घरेलू उत्पादकों को विस्थापित कर रही है ।

64. भारत में घरेलू उद्योग पर प्रभाव की जांच के लिए प्राधिकारी ने आगे क्षमता उपयोगिता, उत्पादन, बिक्री, निवल बिक्री वसूली, लाभप्रदता इत्यादि जैसे कुछ संकेतकों पर भी विचार किया है जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है ।

आंकड़ों के स्रोत और पद्धति

65. तुर्की ने आयातों से हुई क्षति की मात्रा के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने जांच अवधि और विगत वर्षों के लिए उस देश से आयातों की मात्रा के निर्धारण के लिए तुर्की के एकमात्र उत्पादक और निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों को ध्यान में लिया है। चूंकि निर्यातक ने कैलेंडर वर्ष वार आंकड़े उपलब्ध कराए हैं इसलिए इन्हें 2000-2001 की अवधि के वित्तीय वर्ष के लिए मानकीकृत किया जा रहा है। 1999-2000 के लिए आंकड़े द्वितीयक स्रोतों से सौदे-वार सूचना से लिए गए हैं क्योंकि तुर्की से डी जी सी आई एस के आंकड़े में बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के साथ-साथ बोरेक्स पेंटाहाइड्रेट दोनों शामिल हैं। जहां तक चीन का संबंध है, प्राधिकारी ने जांच अवधि के साथ-साथ विगत वर्षों के लिए डी जी सी आई एंड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदे-वार आंकड़ों को हिसाब में लिया है क्योंकि चीन जन.गण. से हुए सभी आयातों में केवल बोरेक्स डेकाहाइड्रेट शामिल है। जांच अवधि तथा विगत वर्षों में अन्य देशों से हुए आयातों के लिए प्राधिकारी ने द्वितीयक स्रोतों (आईबीआईएस) से संबद्ध वस्तु के सौदे-वार आंकड़ों को लिया है। भारत में संबद्ध वस्तु की प्रत्यक्ष खपत (मांग) की गणना करने के लिए प्राधिकारी ने देश में हुए कुल आयातों में अन्य उत्पादकों और घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा को जोड़ दिया है।

संबद्ध देशों और घरेलू उद्योग से हुए आयातों की मात्रा और बाजार हिस्सा

66. पिछले वर्षों की तुलना में जांच-अवधि में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात की मात्रा काफी बढ़ी है। वास्तव में 1999-2000 से जांच अवधि तक आयात लगातार बढ़ा है। 1999-2000 से जांच अवधि के दौरान अन्य देशों से आयातों की मात्रा काफी घटी है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयात समग्र रूप में तथा घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में और भारत में संबद्ध वस्तु की मांग की तुलना में भी बढ़ा है। संबद्ध देशों से हुए आयातों में पूर्ववर्ती वर्ष की इसी अवधि की तुलना में समग्र रूप में 305% की वृद्धि हुई है और कुल आयातों का हिस्सा 99-00 में 57.44% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 98.34% हो गया है। कुल मांग में संबद्ध देशों का हिस्सा 22.34% से बढ़कर 58.26% हो गया है जबकि घरेलू उद्योग का हिस्सा 99-00 में 48.83 से घटकर 38.10% रह गया है। निष्कर्षतः, प्राधिकारी इस बात से सहमत हैं कि घरेलू उद्योग को बाजार हिस्सा गंवाना पड़ा है तथा संबद्ध देशों से आयात ने अपना बाजार हिस्सा काफी बढ़ाया है।

संबद्ध देशों से आयात

देश/क्षेत्र	99-00 (मी.टन)	00-01(मी.टन)	अप्रैल-दिसंबर 01 (मी.टन)	जनवरी-सितंबर 02 (मी.टन)
संबद्ध देश	842	2767	2517	7687.9
अन्य	624	0	20	130
कुल	1466	2767	2537	7817.9

आयातों का हिस्सा(%)				
देश	99-00	00-01	अप्रैल-दिसंबर 01	जनवरी-सितंबर 02
संबद्ध देश से आयात	57.44	100.00	99.21	98.34
अन्य देश	42.56	0	0.49	1.62
कुल	100	100	100	100

कुल मांग में आयातित संबद्ध वस्तुओं का हिस्सा (%)				
देश	99-00	00-01	अप्रैल-दिसंबर 01	जनवरी-सितंबर 02
संबद्ध देशों से आयात	6.04	18.85	22.34	54.26
अन्य देश	4.48	0.00	0.18	0.92
घरेलू उद्योग	48.83	54.10	56.91	38.10
अन्य उत्पादक	40.66	27.05	20.57	6.72
कुल मांग	100	100	100	100

घरेलू उद्योग की तुलना में आयात (मी.टन)				
देश	99-00	00-01	अप्रैल-दिसंबर 01	जनवरी-सितंबर 02
संबद्ध देश से आयात	842	2767	2517	7687
घरेलू उद्योग का उत्पादन	7414	7522	6629	7112
घरेलू उद्योग की तुलना में पाटित आयात	11.36%	36.77%	37.96%	108.08%

उत्पादन और क्षमता उपयोग

67. यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग का उत्पादन विगत वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान बढ़ा है। यह भी नोट किया गया है कि उनका क्षमता उपयोग पिछले नौ महीनों की तुलना में जांच अवधि के दौरान केवल मामूली रूप से घटा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयातों के प्रभाव के आकलन के संबंध में नियमावली के अनुबंध II में निम्नानुसार प्रावधान है:— 'समान वस्तु के घरेलू उत्पादन की तुलना में पाटित आयातों के प्रभाव का आकलन तब किया जाएगा जब उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उत्पादन प्रक्रिया उत्पादक बिक्री और लाभ जैसे मानदण्डों के आधार पर उक्त उत्पादन की पृथक पहचान अनुमत्त हो। यदि उस उत्पादन की ऐसी पृथक पहचान संभव नहीं हो तो पाटित आयातों के प्रभाव का आकलन उत्पाद के सबसे छोटे समूह या उसकी रेंज, जिसमें समान उत्पाद - जिसके लिए आवश्यक सूचना प्रदान की जा सकती है, शामिल हैं, के उत्पादन की जांच द्वारा किया जाएगा।' इस मामले में, घरेलू उद्योग ने बोरेक्स डेका और पेन्टा के लिए क्षमता को मिला दिया है। ऐसा मामला होने के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का मूल्यांकन बोरेक्स डेका के लिए अलग से करना उचित नहीं होगा। इसलिए प्राधिकारी ने पाटित आयातों के आकलन के उद्देश्य से उत्पादन और क्षमता उपयोग के संबंध में पेंटा और डेका (डेका के संबंध में पृथक सूचना के अलावा) के लिए सूचना को मिलाने के बाद घरेलू उद्योग को हुई क्षति पर विचार किया है (और इसीलिए पैरा 6 और 72 के आंकड़े समान नहीं हैं)। रिकॉर्ड की जांच के आधार पर प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि घरेलू उद्योग ने क्षमता का कम उपयोग किया है।

बिक्री मात्रा तथा वृद्धि

68. यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा पिछले वर्षों की तुलना में जांच अवधि में घटी है यद्यपि पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग 25% तक बढ़ी है तथापि पिछली अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा 15.79% तक घटी है। प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि घरेलू उद्योग ने बिक्री मात्रा में कमी का सामना किया है।

बिक्री कीमतें

69. 99-00 तथा जांच अवधि के बीच उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा घरेलू बाजार में बेची गई वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की औसत निवल बिक्री कीमत 1.82% तक घटी है।

कीमतों में वृद्धि को उत्पादन की इकाई लागत से तुलना करके देखा जाना चाहिए जो कि 99-00 की तुलना में जांच अवधि में बढ़कर 2.25% हो गई है।

स्टॉक और पाटन का मार्जिन

70. पिछले वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का अंतिम स्टॉक पर्याप्ततः बढ़ा है। प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु की भण्डार सूची में वृद्धि के कारण क्षति उठाई है। इसके अलावा, दोनों देशों से पाटन का मार्जिन काफी अधिक है।

लाभप्रदता

71. यद्यपि 1999-2000 के बाद जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन की इकाई लागत में वृद्धि हुई है तथापि 1999-2000 के बाद जांच अवधि के दौरान उनकी इकाई बिक्री कीमत कम हुई है।

पूंजी पर आय तथा नकद लाभ

72. 1999-2000 की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की पूंजी पर आय तथा नकद लाभ कम हुआ है, यद्यपि 2000-2001 में इसमें सुधार हुआ है।

क्षति संबंधी मापदण्ड					
		99-00	00-01	अप्रैल-दि. 01	जन.- सित.02
मापदण्ड	इकाई				
क्षमता	मी.टन	17000	17000	12750	12750
संयुक्त उत्पादन	मी.टन	9614	10541	7572	7553
क्षमता उपयोग	%	56.55	62.01	59.39	59.24
घरेलू उद्योग बिक्री(वास्तविक)	मी.टन	6806	7940	6412	5399
घरेलू बिक्री (वार्षिक)	सूची	100	116.66	125.61	105.77
प्रारंभिक स्टॉक	मी.टन	866	1259	481	342
अंतिम स्टॉक	मी.टन	1259	481	342	1523
उत्पादन की इकाई	सूची	100	100.77	102.63	102.95

लागत					
बिक्री कीमत	सूची	100	91.35	95.03	98.18
इकाई लाभ/हानि	सूची	-100	-320.16	-279.84	-214.11
कुल लाभ	सूची	(-100)	-373.51	-351.51	-226.47
पूँजी पर आय	सूची	-100	-260.57	-149.06	-68.571
रोजगार	सूची	100	94.12	96.08	90.2
वेतन मजदूरी	सूची	100	83.33	114	109.88
उत्पादकता	सूची	100	107.8	93.06	106.35
नकद लाभ	सूची	-100	-418.41	-378.22	-212.49
वृद्धि	%		16.66	7.67	-19.98

उत्पादकता तथा रोजगार

73. 1999-00 से जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई तथापि प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि ऐसा रोजगार के स्तर में गिरावट के कारण हो सकता है।

74. कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत हास

मेसर्स ई टी आई ए. एस./बोरोकेमी से कीमत कटौती		
	अप्रैल-दिस.01	जन.-सितंबर 02
निवल बिक्री कीमत	***	***
पहुंच मूल्य	***	***
कीमत कटौती %	***	***

मेसर्स डालियन/डैसीक्यिओ से कीमत कटौती		
	अप्रैल-दिस.01	जन.-सितंबर 02
निवल बिक्री कीमत	***	***
पहुंच मूल्य	***	***
कीमत कटौती %	***	***

डालियन/डेशिवियाओ से कीमत कटौती

निवल बिक्री कीमत पहुंच मूल्य



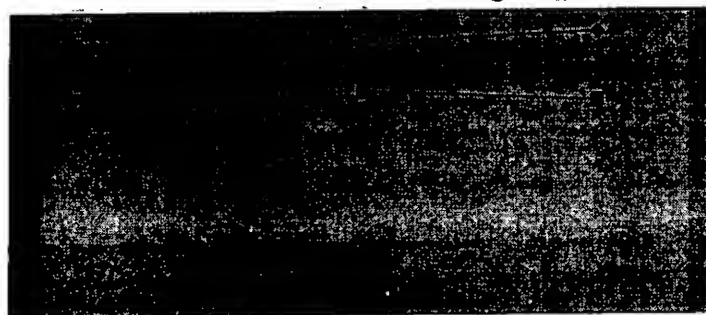
अप्रैल-दिस. 01

जनवरी-सितम्बर, 02

ई टी आई से कीमत कटौती

ए.एस/बोरोकेमी

निवल बिक्री कीमत पहुंच मूल्य



अप्रैल-दिस. 01

जनवरी-सितम्बर, 02

जांच अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री

देश	याचिकाकर्ता की क्षतिरहित कीमत	संबद्ध देश से पहुंच मूल्य	कम कीमत पर बिक्री	कम कीमत पर बिक्री %
ई टी आई होलिंग्स	***	***	***	***
डालियन	***	***	***	***

कीमतों के संबंध में पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से कीमतों में अत्यधिक कटौती हुई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को महत्वपूर्ण स्तर तक कम करना है। प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के पहुंच मूल्य की निवल बिक्री वसूली से तुलना की है और यह पाया है कि संबद्ध देश/क्षेत्र से पाटित आयातों से बहुत अधिक कीमत कटौती हुई है।

75. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के इस दावे की भी जांच की है कि घरेलू उद्योग को घाटे के कारण क्षति हो रही है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर की गई बिक्री क्षति का मूल्यांकन करने के लिए एक महत्वपूर्ण सूचक है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के लिए क्षतिरहित कीमत का परिकलन किया है और कम कीमत पर बिक्री की सीमा पर पहुंचने के लिए इस कीमत की पहुंच मूल्य से तुलना की है। विश्लेषण से कम कीमत पर बिक्री के महत्वपूर्ण प्रभाव का पता चलता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमत ह्रास तब होता है जब घरेलू उद्योग, किसी कारण से संबद्ध वस्तुओं की अपनी कीमतें कम कर देता है। प्राधिकारी ने कीमत ह्रास के घरेलू उद्योग के दावे का समर्थन करने के लिए औसत बिक्री कीमत के संबंध में घरेलू उद्योग के रिकार्डों का सत्यापन किया है। तथापि प्राधिकारी को जांच अवधि के दौरान कीमतों में कोई बहुत अधिक ह्रास मालूम नहीं हुआ।

बिक्री कीमत/लाभप्रदता

76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें उस कीमत से बहुत कम हैं जिससे घरेलू उद्योग को अपनी उत्पादन लागत की उचित वसूली तथा उचित लाभ होता। यद्यपि जांच अवधि के दौरान इस उत्पाद से घाटा पिछले वर्षों की तुलना में कम हुआ है, परन्तु इनको संबद्ध वस्तु के अन्य उत्पादकों द्वारा उत्पादन बंद करने और घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि की पृष्ठभूमि में देखा जा सकता था।

कारणात्मक संबंध

77 क. प्रस्तावना

घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारणों के संबंध में अपने निष्कर्षों पर पहुंचने के लिए और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के नियम V के अनुसार प्राधिकारी ने सभी ज्ञात कारकों के प्रभाव और इस उद्योग की स्थिति पर उनके परिणामी प्रभावों की जांच की।

पाटित आयातों के अलावा ज्ञात कारक जो इसके साथ ही घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकते थे, की भी यह सुनिश्चित करने के लिए जांच की गई कि इन अन्य कारकों से हुई संभावित क्षति के लिए पाटित आयातों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता था।

ख. पाटित आयातों का प्रभाव

वर्ष 1999-2000 और जांच अवधि के बीच में, कुल आयातों के अनुपात के रूप में संबद्ध देशों से पाटित आयात मात्रा में (57.44% से 98.34% तक) और बाजार हिस्से में वर्ष 1999-00 में 6.04% से जांच अवधि के दौरान 54.26% तक की काफी वृद्धि हुई। जहां तक निर्यात कीमतों का संबंध है, वे समस्त अवधि के दौरान कम हुई और इससे जांच अवधि के दौरान औसत आधार पर ***% और ***% (क्रमशः ई टी आई होल्डिंग्स ए.एस और मै0 डालियन इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट कं0) से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हुई।

अन्य कारकों का प्रभाव

(i) अन्य उत्पादकों का कार्य निष्पादन

घरेलू उत्पादक मै0 नॉर्दर्न बोरेट्स प्रा0 लि0, कानपुर जिसने याचिका का समर्थन किया था जांच अवधि से पहले अपनी उत्पादन सुविधा बंद कर दी। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि भारत में संबद्ध वस्तुओं के एक दर्जन से अधिक विनिर्माता थे। तथापि इन लघु उत्पादकों ने अब अपना उत्पादन शोक दिया है और उनमें से कुछ व्यापारियों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

(ii) प्रक्रिया या प्रौद्योगिकी में परिवर्तन के कारण स्वयं की गई क्षति

निर्यातक द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग को क्षति इसके द्वारा कच्ची सामग्री को यूलेक्साइट में परिवर्तित करने के कारण हुई है। निर्यातक ने यह भी अभिवेदन किया है कि इस कच्ची सामग्री से संबद्ध वस्तुओं का विनिर्माण एक लम्बी और महंगी प्रक्रिया है क्योंकि अन्य सामग्रियों का भी उपयोग किया जाता है जिससे इसकी विनिर्माण लागत और भी बढ़ जाती है। घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि यूलेक्साइट इस अर्थ में अपेक्षाकृत सस्ता है कि कच्ची सामग्री की लागतें कम हैं और इस तरीके से विनिर्माण की सम्पूर्ण लागत इस तथ्य के बावजूद कम है कि अन्य कच्ची सामग्रियों का भी इस प्रक्रिया में

प्रयोग किया जाता है । प्राधिकारी इसके समक्ष किए गए अनुरोधों (विभिन्न साहित्य और पत्रिकाएँ) से नोट करते हैं कि यूलेक्साइट से संबद्ध वस्तुओं का विनिर्माण एक कार्यक्षम तरीका हो सकता है ।

(iii) यू.एस.ए. से आयात

यू.एस.ए. को शामिल नहीं करना

ई टी आई और तुर्की सरकार के निवेदन

क. तुर्की के निर्यातक ने निवेदन किया है कि प्रारंभिक जांच परिणामों में संचयी रूप में आंकड़ों का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए था क्योंकि इसमें विचाराधीन उत्पाद के अलावा उत्पादों से संबंधित सूचना भी शामिल है । उनके द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि याचिकाकर्ता ने अमरीका से बी पी एच का आयात 345 अमरीकी डालर प्रति मी. टन की कीमत पर किया है । एक अन्य उत्पादक मै0 राज इन्डस्ट्रीज ने यू.एस.ए. से बी पी एच का आयात 290 अमरीकी डालर - 365 अमरीकी डालर प्रति मी. टन की कीमत पर किया है । राज इन्डस्ट्रीज की एक संबद्ध कंपनी मै0 ऋषि इन्टरप्राइजिज ने यू.एस.ए. से बी पी एच का आयात 290 अमरीकी डालर प्रति मी. टन और यू.एस.ए. से बी डी एच का आयात 245 अमरीकी डालर प्रति मी. टन पर किया है । वे इस बात पर जोर देते हैं कि डी ए द्वारा यह जांच कि यू.एस.ए. से बी डी एच की कीमतें ऊंची हैं, गलत है क्योंकि इसमें बी पी एच की कीमतें भी शामिल हैं । यू.एस.ए. से 245 अमरीकी डालर की एफ ओ बी कीमत तुर्की से एफ ओ बी कीमत के साथ तुलनीय है ।

यह अनुरोध किया गया है कि यू.एस.ए. से आयातों से संबंधित सूचना विश्वसनीय है और उन्होंने अपने दावे के समर्थन में प्रविष्टियों के कुछ बिल भी प्रस्तुत किए हैं ।

ख. यू.एस.ए. को जांच में शामिल नहीं करने की अपनी कार्रवाई को उचित ठहराते हुए भी प्राधिकारी ने केवल एकीकृत आधार पर आयात कीमतों की जांच की है । उन्हें अलग-अलग रूप में निर्यात कीमतों की जांच करनी चाहिए थी, अर्थात् संबंधित सीमाशुल्क वर्गीकरण शीर्ष के अंतर्गत आने वाली सभी वस्तुओं पर विचार करने के बजाय बोरेक्स डेकाहाइड्रेट की कीमतों की ही प्राधिकारी द्वारा जांच की जानी चाहिए थी । किसी एक ही वस्तु पर जांच केन्द्रित न होने से प्राधिकारी द्वारा यह निर्धारण कि यू.एस.ए. से बी डी एच की आयात कीमतें चीन और तुर्की से बी डी एच की आयात कीमतों से अधिक थी, तथ्यात्मक रूप से गलत और निराधार है । प्राधिकारी कारणात्मक संबंध का निर्धारण करते समय इस पहलू का समुचित मूल्यांकन करेंगे ।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

ग. वास्तव में याचिकाकर्ता ने यू.एस.ए. को भी शामिल करने के लिए जांच का विस्तार करने का अनुरोध किया था। विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने न्यूनतम सीमाओं से अधिक आयातों के संबंध में अपर्याप्त साक्ष्य के मद्देनजर यू.एस.ए. के विरुद्ध जांच प्रारंभ नहीं करने का निर्णय लिया। विगत में यू.एस.ए. भारत को अपने संबद्ध उत्पाद का निर्यात कर रहा था। इस उत्पाद के लिए वर्ष 1999 से आयात संबंधी आंकड़े संलग्न हैं। स्पष्टतः कुछ वर्षों में यू.एस.ए. से आयात कम हुए जो चीनी उत्पादकों द्वारा अत्यधिक बिक्री का परिणाम हो सकता था। वास्तव में इससे तुर्की के उत्पादकों की पाटन प्रथाएं और भी सिद्ध होती हैं, जब तुर्की का उत्पादक भारत में अपने निर्यातों को बनाए रखता है, जबकि यू.एस.ए. के निर्यातों में कमी हुई। याचिकाकर्ता द्वारा बी पी एच के आयात इस मामले से असंगत हैं क्योंकि बी एच पी विचाराधीन उत्पाद नहीं हैं। यद्यपि ई टी आई ने सज इन्डस्ट्रीज द्वारा बी डी एच के आयातों की सूचना दी है, आयातों की मात्रा की सूचना नहीं दी गई है। अतः यह मालूम नहीं है कि क्या ये आयात न्यूनतम सीमाओं से अधिक हैं। जैसाकि पहले बताया गया है, यद्यपि याचिकाकर्ता बी डी एच के आयातों को प्रदर्शित करने में सक्षम रहा है परन्तु वास्तविक मुद्दा यह है कि ऐसे आयात न्यूनतम सीमाओं से कम हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

घ. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि याचिकाकर्ता ने जानबूझकर यू.एस.ए. से जांच को शामिल नहीं किया है और यू.एस.ए. से आयात न्यूनतम सीमा से अधिक है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिका तुर्की, चीन जन.गण. और यू.एस.ए. से होने वाले आयातों के लिए दायर की गई थी। आई वी आई एस मुम्बई से आयात संबंधी आंकड़ों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करने के पश्चात् प्राधिकारी ने नोट किया कि उस देश से कोई आयात नहीं हुए हैं और इसलिए तुर्की और चीन जन.गण. के विरुद्ध जांच आरंभ की गई थी। जांच प्रारंभ करने के पश्चात् यू.एस.ए. से आयातों के लिए डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों की (समग्र रूप से) जांच की है और यह पाया है कि इन आयातों की कीमत संबद्ध देशों से आयातों की कीमतों से कहीं अधिक हैं। प्रारंभिक जांच परिणामों के पश्चात् प्राधिकारी ने यू.एस.ए. से आयातों के आंकड़ों के लिए अनुरोध करते हुए सीमाशुल्क आयुक्त, मुम्बई (बाद में अनुस्मारक से) को लिखा। प्राधिकारी को अब सीमाशुल्क आयुक्त न्हावासेवा से एक पत्र मिला है (पत्र को सार्वजनिक फाइल में रखा गया है) जिसमें यह उल्लेख है कि न्हावासेवा के जरिए किए गए लगभग सभी आयात बोरेक्स पेंटाहाइड्रेट से संबंधित थे और संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा बहुत ही कम थी जो मात्रा के अनुसार न्यूनतम हैं।

यू.एस.ए. से आयातों की स्थिति में, प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि

- i) यू.एस.ए. से आयात न्यूनतम सीमाओं के अन्दर हैं
- ii) इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक है
- iii) इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि यू.एस.ए. से आयात घरेलू उद्योग की आपूर्ति या अन्य देशों से होने वाले आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

ड.) मांग का कम होना और अन्य कारक

प्राधिकारी मांग में कमी, खपत के पैटर्न में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा का कोई प्रमाण नहीं पा सके। यह नोट किया गया है कि प्रौद्योगिकी विकास घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं है। ये मापदंड समग्र और संचयी रूप से यह दर्शाते हैं कि याचिकाकर्ता को संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

78. क्षति के निर्धारण के उद्देश्य से आयातों के पहुंच मूल्य की याचिकाकर्ता कंपनी की जांच अवधि के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत से तुलना की गई है।

भारतीय उद्योग का हित:

79. पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य सामान्य तौर पर ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को क्षति हो रही है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की पुनःस्थिति लाना है जोकि देश के सामान्य हित में है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, भारतीय उद्योग का ह्रास रुकेगा और उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से चीन जनवादी गणराज्य से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

80. निष्कर्ष

पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी का निष्कर्ष यह है कि:

- क) भारत को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है;
- ख) घरेलू उद्योग ने वास्तविक क्षति उठाई है;
- ग) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को संचयी रूप से वास्तविक क्षति हुई है ।

81. प्राधिकारी घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के सभी आयातों पर एक निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक मानते हैं । प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किए गए पाटन के मार्जिन को उपर्युक्त पैराग्राफों में दर्शाया गया है । प्राधिकारी का पाटनरोधी शुल्क की राशि को पाटन मार्जिन के बराबर या कम करने की सिफारिश करने का प्रस्ताव है, जिसे यदि लगाया जाता है तो घरेलू उद्योग को हुई क्षति दूर होगी । क्षति के निर्धारण के उद्देश्य से आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जाँच अवधि के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता कंपनी की क्षतिरहित कीमत से की गई है । इसलिए प्राधिकारी उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के शीर्ष के अंतर्गत आने वाली निम्न तालिका के कालम (3) में विनिर्दिष्ट विवरण के वस्तुओं पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं जैसाकि कॉलम (2) में तदनुरूपी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है जिसकी निर्दिष्टता उक्त तालिका के कालम (4) में दी गई है और जो कालम (6) की तदनुरूपी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट देश के मूल का है और कालम (7) की तदनुरूपी प्रविष्टि में यथाविनिर्दिष्ट उत्पादक द्वारा उत्पादित है जब उसे कॉलम (8) की तदनुरूपी प्रविष्टि में यथाविनिर्दिष्ट निर्यातक द्वारा कॉलम (6) की तदनुरूपी प्रविष्टि में यथानिर्दिष्ट देश से निर्यात किया गया हो और भारत में आयात किया गया हो तो एक ऐसी दर पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाएगा जो उक्त तालिका के कालम (10) की तदनुरूपी प्रविष्टि में यथाविनिर्दिष्ट माप की प्रति इकाई पर और कालम (11) में तदनुरूपी प्रविष्टि में यथाविनिर्दिष्ट मुद्रा में कालम (9) में यथा तदनुरूपी प्रविष्टि में यथाविनिर्दिष्ट राशि और माप की प्रति समान इकाई पर समान मुद्रा में ऐसे आयातित माल के पहुँच मूल्य के अन्तर के बराबर होगी ।

तालिका

क्र.स	शीर्ष	वस्तु का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1.	2.	3.	4	5.	6.	7.	8.	9	10.	11
1.	2840	बोरेक्स डेकाहाइड्रेट	कोई विनिर्देशन	तुर्की	कोई	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	423.1	मी. टन	अम.डा.
2.	2840	बोरेक्स डेकाहाइड्रेट	कोई विनिर्देशन	चीन जन.गण के अलावा कोई देश	तुर्की	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	423.1	मी. टन	अम.डा.
3.	2840	बोरेक्स डेकाहाइड्रेट	कोई विनिर्देशन	चीन जन.गण.	कोई	डैशिविया ओ हुएक्सीन केमिकल्स लि०	डैलियान केम इम्पोर्ट तथा एक्सपोर्ट ग्रुप कं० लि०	410.86	मी. टन	अम.डा.
4.	2840	बोरेक्स डेकाहाइड्रेट	कोई विनिर्देशन	चीन जन.गण.	कोई देश	डैशिविया ओ हुएक्सीन केमिकल्स लि० के अलावा कोई अन्य उत्पादक	कोई	484.1	मी. टन	अम.डा.
5	2840	बोरेक्स डेकाहाइड्रेट	कोई विनिर्देशन	तुर्की के अलावा कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	484.1	मी. टन	अम.डा.

यदि आयातित उत्पाद का संचय 95% सूचित किया जाता है तो पाटनरोधी शुल्क यथाअनुपातिक आधार पर लागू होगा।

82. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमा शुल्क अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9 क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के शुल्क शामिल होंगे।

83. उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी दिनांक 26 मार्च, 2003 के जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

84. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील उपर्युक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

अभिजित सेन गुप्त, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 21st November, 2003

FINAL FINDINGS

Subject :— Anti-dumping investigation concerning imports of Borax Decahydrate originating in or exported from the Turkey and China PR.

No. 14/40/2002-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

A. PROCEDURE:

1. The following procedure has been followed with regard to the subject investigation:
 - i) The Designated Authority (herein after referred to as Authority), under the Rules, received fully documented and revised petition from M/s Borax Morarji, Mumbai for and on behalf of domestic industry, alleging dumping of Borax Decahydrate originating in or exported from China PR and Turkey. The petitioner in their earlier petition alleged dumping from USA as well; however, the domestic industry could not substantiate import volume as well as dumping above de-minimus limits with regards to imports from USA.
 - ii) The Authority issued a public notice dated 25th November 2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping investigations concerning imports of Borax Decahydrate originating in or exported from China and Turkey (hereinafter also referred to as subject countries) and classified it under heading 284019 of the Custom Tariff Act.
 - iii) The Authority forwarded copy of the initiation notification, non-confidential petition filed by the domestic industry and questionnaire proforma to known exporters, importers and embassy of subject country in India requesting them to advise the producers and exporters in their country to respond to the initiation notification in the prescribed proforma within the time limits prescribed.
 - iv) M/s ETI Bor, along with their holding company M/s. ETI Holdings, Turkey along with their exporter M/s. Borochemie International and M/s. Dashiqiao Huaxinchemie Co., China PR with their exporter M/s. Dalian Chem Import & Export Company Limited, China PR have responded the Authority from amongst the exporters to whom Exporters Questionnaire have been sent. The Embassy of China PR and Turkey, in New Delhi were also informed about the initiation of investigation and requested to

advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. None of the exporters and producers other than those mentioned above, has responded to the exporter's questionnaire and to the petition.

- v) The Authority issued a public notice (Preliminary Findings) dated 26th March 2003 published in the Gazette of India, Extraordinary, recommending imposition of Anti Dumping Duty – provisionally – pending further investigation.
- vi) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
- vii) None of the users/ importers has responded the importer questionnaire. However, some of the users/importers have submitted their views, which have been analysed in the appropriate headings.
- viii) The Authority also forwarded a copy of preliminary findings to the Embassies of China and Embassy of Turkey, New Delhi with a request that exporters and producers in their country may be advised to furnish their views on the preliminary findings.
- ix) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally during 3rd July 2003. All parties presenting views orally were requested to file written submissions, of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any.
- x) Arguments raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties are being considered in Final Findings.
- xi) Domestic verification as well as exporters verification of the data submitted by them were undertaken by the Authority.
- xii) In accordance with Rule 16 of The Rule supra, the essential facts/ basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 31st October 2003 and comments received on the same are duly considered in Final Findings.
- xiii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by all interested parties.
- xiv) The Authority also conducted cost investigation and worked out optimum cost of production/ cost to make and sell in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles.

- xv) The investigation covered the period 1st January 2002 to 30th September 2002 (9 Months)
- xvi) Copies of initiation notice were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc., for wider circulation.

Product Under Consideration and Like Article

2. Submissions by the Domestic Industry

The Product under consideration in the present investigation is Borax Decahydrate also known as Borax or Di-Sodium Tetra Borate Decahydrate. It is an inorganic chemical. It is produced in Technical and IP grades. It is produced in various physical forms such as granules, crystal and powder. Borax Decahydrate is classified under Chapter 28 of the Customs Tariff Act. It is used in glass, textiles, leather, adhesives, detergents, polishes, ceramics etc. The information already on record shows that the subject goods are being cleared under other custom subheadings also. It is therefore, requested that the Anti Dumping duties may please be imposed on the subject goods irrespective of customs subheading. Further, the product is sold in the name of Sodium Borate also. Since Sodium Borate is nothing but Borax Decahydrate, it is requested that it may kindly be clarified in the final findings that anti dumping duty applies to Sodium Borate also. Further, since the product can be imported as Sodium Borate, Crude Sodium Borate or Borex Decahydrate, it is requested that anti dumping duty may kindly be recommended on "Crude Sodium Borate" "Borax Decahydrate" or "Sodium Borate" irrespective of its custom classification.

3. Borax Decahydrate can be produced using Borax Pentahydrate, Tincal, Kernite or Ulexite as the starting raw material. Whatever be the starting raw material used, the technology is largely similar. Manufacturing process is also more or less similar, except that the product falls through short manufacturing process in case the raw material used is Borax Pentahydrate, whereas the process is fairly longer in case the raw material used is Ulexite.

4. As regards like article there is no significant difference in Borax Decahydrate produced by the domestic industry and imported from subject countries. Borax Decahydrate produced by the domestic industry and imported from subject countries are comparable in terms of physical characteristics, functions and uses, specifications, distribution and marketing, pricing and tariff classification of goods. The consumer can use and are using Borax Decahydrate imported from the subject countries and Borax Decahydrate produced by the domestic industry interchangeably.

5. The exporter from Turkey has raised issue of difference in the technology. They submit that the difference in the technology adopted or difference in starting raw materials does not render the two products different. The product still remains like article within the meaning of the Rules. This is established by the fact that the two products are being technically and commercially substituted by each other. As regards the argument of some cost advantage in the natural process, the same is relevant for the purpose of dumping and does not render the product as unlike product. Nor the issue is relevant for the purpose of injury

It is also relevant to point out that the Hon'ble Designated Authority and CEGAT has already held in a number of investigations that the domestic industry must be seen as it exists. It can not be seen under ideal conditions. We request the Designated Authority to confirm the preliminary finding in this regard.

Submissions by M/s Dalian Chem, China

6. The Hon'ble DA has wrongly noted that the present Investigation is against the product under consideration irrespective of the classification under which it is imported. Dalian states that it is unable to concur with the Hon'ble DA's views as the same is not consistent with the concept of Like Article and by taking the aforesaid view, the Hon'ble DA is broadening the scope of the present Investigation to cover Unlike Articles also. Further the Hon'ble DA has grossly erred in coming to the conclusion that Customs classification is only indicative and in no way binding on the scope of the present Investigation. It is submitted that tariff classifications must ordinarily be considered as binding, in the absence of conclusive evidence to the contrary, in view of the clear statutory stipulation that only 'like articles' may be the subject of anti-dumping investigations. The Hon'ble DA was therefore, incorrect in observing that the present Investigation is against the product under consideration irrespective of the classification under which it is imported.

7. It is submitted that the Hon'ble DA has wrongly found that the imported products and products manufactured by the domestic industry and the products sold in the market of both the exporting countries, i.e. China and Turkey are similar in their essential physical and technical characteristics and in their use and thus the subject goods produced by the domestic industry and those being imported from the subject countries are Like Articles within the meaning of the said Rules. It is respectfully submitted that there are a number of differences between the subject goods produced by the Petitioners and the subject goods exported by Dalian to India during the POI. In this regard, Rule 2 (d) of the said Rules framed in pursuance of the provisions of Section 9A (6) read with Section 9B (2) of the said Act inter alia, provides that:

“ ‘like article’ means an article closely resembling those of the articles under investigation;”

8. It is submitted that the subject goods exported to India during the POI by Dalian are of 2 grades, 95% and 99.5% and the like article would be only be the same grades if manufactured by the Petitioner. It is submitted that for the purpose of the present Investigation, the Hon'ble DA should exclude the grades that are not manufactured by the Petitioner. From the said Preliminary Findings, it is not clear as to which grade of the subject goods is manufactured by the Petitioner. It is further submitted that the said Initiation Notification defines the subject goods irrespective of raw materials, process, technical specifications and commercial applications. In view of the above, it is submitted that the Hon'ble DA has failed to appreciate that the subject goods produced by the domestic industry and those being imported from the subject countries are not LIKE ARTICLES within the meaning of the Rules. Following the disclosure statement the exporter has urged that in view of the verified low volume of exports of 95% grade borax decahydrate by Dalian and Dashiqiao to India during the period of investigation

there can be no findings by the DA of volume effect or causal injury by the 95% grade. They have further represented that no anti-dumping duty should be imposed on 95% grade of borax decahydrate exported by M/s. Dalian/Dashiqiao from China PR and these should be excluded from the purview of anti dumping duty.

Examination of the Views

9. The product concerned is Borax Decahydrate, commonly known as Borax . The technical name of this product is Di-Sodium Tetra Borate Decahydrate. It falls under Chapter 28 of the Customs Tariff Act. This product is used in glass, textiles, leather, adhesives, detergents, polishes, ceramics etc. The domestic industry has represented that Borax decahydrate have been cleared under other customs sub-headings such as 284011, 284020 and 284019 and also under chapter 25. There are arguments from various interested parties that borax decahydrate exported from China PR in the grades of 95% and 99.9% are not the same and hence may not be treated as like article. It has also been represented that there are substantial imports after the imposition of anti dumping duties from China in the name of Sodium Borate, Natural Sodium Borate and Crude Sodium Borate. The domestic industry has further informed that sodium borate or natural sodium borate is nothing but borax decahydrate itself and have requested for imposition of duty on imports falling under Chapter 25 as well. After examining all records and submission made by various interested parties, the Authority determines that product under consideration is Borax Decahydrate, also commonly known as Borax, technically known as Di-Sodium Tetra Borate Decahydrate or Sodium Borate Decahydrate classified under tariff sub head 284019 (herein after also referred to as subject goods). As regards the request of the domestic industry to extend the scope of this investigation to chapter 25 so to cover subject goods, which are being imported under other tariff heads not attracting anti dumping duty, the Authority notes that these issues pertain to misdeclaration which are beyond the scope of the present investigation.

10. The Authority notes that borax decahydrate is basically used in terms of its B_2O_3 content and so long as this content is the same despite the different percentages of borax decahydrate, it can be used interchangeably. The exporter from China PR has not denied that borax decahydrate of grade 95% and 99% are not being used interchangeably and their end uses are different. The Authority notes after examining the transaction-wise data from DGCI&S and from secondary sources (IBIS, Mumbai) that this product is imported under various heads under the Chapters 25 and 28 into this country though this product is technically classifiable under the customs sub-heading 284019.

11. The Authority recognises that no single factor is conclusive in determining like goods. In determining like goods, the Authority generally considers physical characteristics, interchangeability, channel sub- distribution, common manufacturing facilities and production process, customer perceptions and price. However, it should be noted that this list relates to the horizontal approach to determine like goods (goods at the same stage of production cycle). Another approach to determine like goods is vertically approach (goods at different stage of the same production cycle, one is used to produce another). As goods in the investigation i.e. subject goods with 95% and 99% are at different stages of one production cycle, the vertical approach would appear more appropriate. In determining like goods in a vertical context, the following conditions are considered

- a) The necessity for and cost for further processing,
- b) The degree of inter-changeability of article at different stages of production,
- c) Whether there ^{are} significant independent uses or markets for the finished or unfinished article, and
- d) Whether the subject goods at an earlier stage of production embodies or imparts to the finished subject goods and essential characteristics or function.

12. Based on the criteria above, the Authority considers all forms of borax decahydrate including 95% and 99% grades to be like products for the reasons that while there may be markets for each grade of the product, the market into which both the grades are sold involve sales to manufacturers who further process the product and compete in the same market and also while there are minor physical and chemical differences between the two grades, the active ingredient of B203 (36.5%) imparts the essential characteristics or functions to the finished product.

13. As regards the claim of the domestic industry that the subject goods may be imported from tariff heads other than chapter under which it has been classified, the Authority notes that present investigation is against the product under consideration irrespective of the classification under which it is imported. Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

Standing

Submissions by the Domestic Industry

14. The petition was filed by M/s. Borax Morarji Limited, Mumbai, for and on behalf of the domestic industry and supported by M/s Raj Industries and M/s. M. V. Steels. Petitioner is the major producer of the subject good in India and accounts for a major proportion of Indian production of the subject good. Petitioner, therefore, constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.

Submissions by M/s Dalian

15. The standing claimed by the Petitioners is not accepted.

Examination by the Authority

16. The petition has been filed by M/s Borax Morarji Limited, Mumbai. The petitioner is the major producer of the subject goods in India and has accounted for 74.5% of the domestic production of the subject goods during the Period of Investigation. The Authority notes that M/s Northern Borates had supported the petitioner before the initiation of the investigations. However in a further communication, they have withdrawn their support. M/s M.V.Steels and M/s Raj Industries have given their support to the petitioner. The Authority notes the petitioner accounts for a major proportion of the total domestic production of the subject goods in India under Rule 2(b) of the Anti Dumping Rules. Accordingly, the petitioner satisfies the criteria of standing to file the petition on behalf of the Domestic Industry in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules supra.

Submissions by other producers/other importers/users.M/s. M.V. Steels Private Limited, New Delhi.

17. The manufacturer of the subject goods has submitted that they produce borax decahydrate from Borax Penta-hydrate and sell it in the Northern part of India. They find that import of borax decahydrate is creating material injury to their production and sales in the market and have requested to keep their letter on record as their support to the petition for the subject investigations.

M/s. Northern Borates Private Limited, Kanpur

18. M/s. Northern Borates Private Limited had pledged their support to the petitioner before the Initiation of the subject investigation. They had informed that they have ceased to manufacture borax decahydrate because of low price imports from China. On December 4, 2002, they had informed that they support the current investigation concerning import of subject goods from China PR and Turkey. On another communication dated December 26, 2002 they had informed that they have withdrawn their support to the petition so far as anti dumping duty is to be imposed on Turkey.

M/s. Raj Industries, Valsad, Gujarat

19. The manufacturer of the subject goods has supported the petition filed by M/s. Borax Morarji Limited for anti dumping on import borax decahydrate from China PR & Turkey.

M/s. Indian Borax, Baroda

20. M/s. Indian Borax has given a comprehensive submissions on the state of the borax industry in India. They have added that Borax Morarji Limited, Mumbai enjoyed the monopoly of borax decahydrate in India till 1989. Subsequent to 1989 the monopoly of the international supplier as well as Borax Morarji Limited were disturbed after the tariff concession was allowed to all crude sodium borate in place of Kernite and Resorite -46 in India. They have submitted that the petitioner who are already enjoying benefits of import duty concessions on raw material should not be given further protection of anti dumping duty.

M/s. Sun Borax Industry, Ahmedabad

21. M/s. Sun Borax Industries has represented that they have stopped their production in 1996-97 since it was management decision. They have asked the Authority to make a note that they had not stopped production because of the import of subject goods from Turkey

M/s. Bhansali Chemicals, (Madras) Ltd., Chennai, M/s. Akshay Industries, Pondicherry, M/s. Borax India Limited, Pondicherry, Krishna Associates, Kolkata, M/s. Indo-Borax & Chemicals Limited, Mumbai.

22. The above importers have represented that no anti dumping duty should be levied on borax decahydrate from Turkey.

De Minimis Limits:

23. After examination of the import data from the subject countries for the POI, the Authority notes that the import of the subject goods from the subject countries during the POI is above de minimus levels.

Other Submissions made by ETI Bor, Turkey

Reference Price at CIF Level

24. The exporter has represented that the fixation of the reference price at the landed level in the present case results in the levy of the anti dumping duty in excess of the margin determined for Turkey, as in the event of reduction of customs duty on Borax decahydrate in the year 2003-04, the consignment would still be subjected to anti dumping duty even if it has been exported at un-dumped price by the exporter. In view of this, the exporter submits that the Anti Dumping duty may be re-fixed at the CIF level in the Final Finding. The exporter has further represented following the disclosure statement by the Authority that reference price should be fixed at the CIF level specially so where the dumping margin is much lower than the injury margin and the said dumping margin is not at all a function of customs duty prevalent in India. In view of this, they have requested that to discard the arguments made by the domestic industry.

Submission made by the Domestic Industry

25. The domestic industry submits that submission by the exporter is ill conceived, misplaced and is an attempt to dilute the whole purpose for which the Designated Authority resorted to the imposition of Anti Dumping Duty on variable basis. The domestic industry has represented that in all three kinds of duties, - fixed amounts, ad-valorem and variable (or floor pricing or reference pricing), the actual anti-dumping duty collected (in the post investigation period phase) may exceed the dumping margin assessed by the Designated Authority in investigation period in all the three situations. In case the actual duty collected exceeds the amount of dumping margin at the time of export (to repeat, this can exceed only the dumping margin at the time of export), the same calls for a review, as there would be a change in the period and hence the parameters.. In case the current export price has to be taken, then current normal value is also required to be taken, which is subject matter of review investigation. The current

export price can not be compared with historical normal value. Annexure II – para 6 (i) of Indian Anti Dumping Rules states as under in this regard.

(b) *“The comparison shall be made at the same level of trade, normally at the ex-factory level and in respect of sales made at as nearly as possible the same time”.*

Examination by the Authority

The Authority after examining the contention of various interested parties notes that comparison should be made between the dumping margin established for the POI and customs duty prevailing during the POI and therefore, does not agree with the submission of the exporter to fix the reference price at the CIF level.

Other Submissions by /s ETI Holdings- No need for residual duty for other exporters.

26 A. As there is only one producer of the subject goods in Turkey, it is not necessary to fix a dumping margin for all other exporters as the only producer has cooperated in the investigation.

Submission by the Domestic Industry

26B. M/s. ETI Holding at the outset, cannot lead that duty should not be recommended in respect of “other exporters”. Not only that it is the consistent practice of the Designated Authority to recommend residual duty, but also possibility of exports by the other exporters, for goods produced by ETI Holdings or by other producers, are not ruled out. The benefit of lower dumping margin cannot be passed on prospective exporters. Such being the case, petitioner requests that residual duty at the highest rate may kindly be fixed.

Examination by the Authority

26C. The Authority has examined the contention of various interested parties and after careful examination, has agreed with the contention of the exporter with regards to fixation of separate dumping margin for other exporters from Turkey.

Submissions made by M/s ETI Bor - Insufficient data for Initiation of the Investigations

27. It has been brought to the notice of the authority that the application did not contain acceptable evidence, amongst other things, in respect of normal value. The petition contained allegedly information showing volume and value of Borax Decahydrate [BDH] exported from Turkey to European Union. The only data available in the public domain is Eurostat data. Eurostat data is based on the HSN classification system. Under the HSN system, BDH falls under tariff item 2840.19.00 covering products other than anhydrous borax. However,

this tariff item covers both Borax Deca Hydrate (having 10 molecules of water) and Borax Penta Hydrate (having 5 molecules of water) [BPH]. The average prices shown in the Eurostat data under the tariff item 2840.19.00 covers both BDH and BPH. Thus, the prices submitted by the petitioners did not reflect the export price for the product under consideration i.e. BDH from Turkey to European Union. In fact, the Petitioner has misled the authority by claiming the price for both BDH and BPH as that of BDH to show prima facie dumping. Non-submission of accurate, authentic and reliable evidence with regard to normal value is a violation of the requirements of a valid application under Rule 5(2). In view of the above, the evidence in respect of normal value submitted along with the petition was not adequate and accurate enough to justify initiation of the investigation. Thus, the initiation is violative of rule 5(3). Therefore, the initiation is bad and the authority should have terminated the investigation immediately when it was pointed out.

Submissions made by Domestic Industry

28. HSN Classification of EC is enclosed with these submissions. It would be seen that there are three separate classifications, as reproduced below: It would thus be seen that there are separate custom classification for Borax Penta and Anhydrous Borax. As stated earlier the obligation of the petitioner is to provide information as is reasonably available with the petitioner. As stated earlier, no better evidence of normal value was available with the petitioner. Such being the case, the petitioner cannot be denied the right to investigations, given severe injury caused by exports from China and Turkey.

ETI has assumed that the nature of information available in India and in Europe is the same. ETI in fact, has considered 8 digit classification under EC and 6 digit classification under Indian Custom Tariff Act. A copy of relevant Customs Tariff, ITC Classification and EC Classification are enclosed with this submission and the difference in the nature of information available in Indian Statistics and Eurostat is evident. With regard to disclosure of Eurostat data, it is submitted that the information has been provided to us on confidential basis, with a clear understanding that the same shall not be made public. Such being the case, petitioner is not in a position to disclose the information. However, the difficulties of the exporter in procuring the information are not understood.

Examination by the Authority

29. The Authority notes that it had accepted the normal value at the time of initiation on the basis of EUROSTAT data for the partner country TURKEY for the tariff Head 28401990 which effectively defines subject goods as Di sodium tetraborate excluding Di sodium tetraborate pentahydrate (falling under 28401910 and anhydrous borates under tariff head 28401100). The Authority confirms that it had initiated the investigation after having sufficient evidence at its disposal with

regards to Normal value and export price. However the Authority has accepted after on-site verification of the exporter's information, the normal value submitted by the exporter and the Authority proposes to confirm the normal value information determined for exporter for the purpose of final findings.

Submissions made by Turkish Government

The Turkish government has raised some points relating to cumulation, other importers plea regarding the exclusion of Turkey from the investigations, and imports from USA.

Examination by the Authority

The Authority has appropriately analyzed and examined all issues in the final findings at appropriate headings.

NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

30. Under Section 9A(1) (c) of the Customs Tariff Act 1975, Normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-
 - (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6)";

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no

comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

TURKEY AND CHINA PR:

Submissiona by M/s. Dalian Chem Import and Export Group Co, PR China.

31. The Hon'ble DA has wrongly concurred with the Petitioner's allegations that the exports of the subject goods in China are deemed to attract the provision of Paragraphs 7 and 8 of Annexure I to the said Rules with respect to Non Market Economy (hereinafter referred to as "NME"). However, it is submitted that in the said Preliminary Findings the Hon'ble DA has wrongly observed that Necessary information/Sufficient Evidence as required in Paragraph 8(3) of Annexure I to the said Rules has not been furnished i.e. necessary information/sufficient evidence to successfully refute the non-market economy contention has not been furnished. It is submitted that the Hon'ble DA has wrongly excluded Dalian and the Producer from being treated as companies operating under market conditions. It is submitted that it may be noted here that the borax business sector in China has not been found to be operating under non-market economy conditions in any anti-dumping investigation in any other jurisdiction

It has been submitted that list of industries as circulated in the treaty of accession to the WTO does not mention Borax as the industry identified under state control and therefore it is further respectfully submitted that, in the circumstances, there is, prima facie, no reasonable basis to assume that the borax business sector in China operates as a NME and thus Dalian and the Producer may be excluded from being deemed to be operating under NME conditions. In the light of the aforesaid, it is submitted with respect to the said criteria set out in sub-para (3) of paragraph 8 read with paragraph 7 of Annexure I to the said Rules, as follows:

- (a) Dalian does not enjoy a monopoly on borax trade and that there is no State/Government control on pricing and costing of Dalian. The Producer purchases the raw materials and sell the finished products at market driven prices that are not regulated by the State/Government. In turn, Dalian exports Borax Decahydrate (hereinafter referred to as "the subjects goods", inter alia, to India during the said POI at higher market driven prices not influenced by the Government. Further, there is no equity holding by any State/Government owned entities in the Producer, and no Directors or managers are nominated by the State/Government owned entities and there is no State/Government management control of the Producer or its prices and costs. Sample of Dalian's High Voltage Electric Power Supply Contract. Further Dalian has provided information with respect to its Internal Rules on Expenses, Expenses Accounting, Export Refund, Fixed Asset, Tax payment, and Inventories.

- (b) It is submitted that the accounting system used by Dalian and the Producer is consistent with international norms in a market economy. Dalian does not receive any subsidies other than VAT reimbursement (approximately 88% of the VAT paid) that are levied on domestic sales and purchases its foreign exchange through the authorized dealer bank as in a market economy like India and maintains its accounts consistently with international norms. Filed along with the said Comments on the Preliminary Findings as is a sample VAT Invoices of Purchasing Power of the Producer
- © It is also submitted that the prices paid in India for the subject goods exported by Dalian during the POI include a reasonable profit margin. It is submitted that the decisions of Dalian and the Producer in China with respect to prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and the costs of the inputs reflect market values. Further, there is no distortion of production costs and financial situation as the Producer as is clear from the Confidential Response and accompanying confidential information and further as the Producer has not converted former State assets, or distorted depreciation thereof, or engaged in barter trade or debt forgiveness or debt/equity swaps, or received the benefit of any write-off. In turn, as is clear from the said Confidential Response Dalian has exported the subject goods to India during the POI consistent with the price at which the said subject goods were purchased from the private Producer and, in turn, at prices consistent with the domestic sales price and cost of production of the Producer. Thus, the Export Price of Dalian to India has been determined by market signals and commercial considerations and not by Government influence. The Producer and Dalian have also repaid any debt consistently as required.
- (d) As in India the exchange rate is based on the market rate as determined the Central Bank as is reflected in the confidential data furnished along with the said Confidential Response. Further Dalian and the Producer have borrowed from the banks on market terms and repaid their respective loans as per schedule as in a market economy Dalian and the Producer have acquired their respective land through market economy mechanisms. A copy of sample Short term loan agreement of Dalian has been furnished by them. Dalian and the Producer agree to verification of the same and the information furnished.

32. In view of the aforesaid, it is submitted that Dalian and the Producer fulfill the criteria to be treated as market economy firms/ companies. It is submitted that all domestic sales in China by the Producer during the POI were in the ordinary course of trade and the confidential data therefore has been filed along with the Confidential Response to the Questionnaire. It is submitted that in any

case the said Export Price of Dalian is above the said domestic sales price in China of the Producer during the POI and is also at or above Dalian's third country export prices during the POI and also the cost of production of the Producer during the POI. From the same and what is stated in the said Non Confidential Response and in the Comments to the Preliminary Findings, it is submitted that there was no dumping of the subject goods in India by Dalian during the POI. Thus it is submitted that the Hon'ble DA has also wrongly taken the view that it is unable to apply the principles set out in Paragraph 1 to 6 of Annexure 1 to the said Rules and is constrained to proceed on the basis of the facts available, as per Rule 6(8) of the said Rules.

33. Dalian states that they have exported to India during the POI the subject goods manufactured in China by Dashiqiao and are the leading exporters of the subject goods to India from China and in a spirit of full co-operation with the present Investigation they have furnished confidential data for the POI, with respect to, respectively the domestic sales in China of the Producer and, of the export sales of the Exporter to India and third countries in the said Confidential Response to the Questionnaire. Further, it is submitted that the Hon'ble DA has compared the normal value and export price of 99.5% grade of the subject goods whereas Dalian only exports 95% and 99.5% grade of the subject goods. Thus it is submitted that unlike article should be excluded from the preview of the present Investigation.

Submissions made by ETI A.S. Turkey

34. As has already been intimated to the Hon'ble Designated Authority, there is only one producer of the subject goods in Turkey (ETI A.S). The Borax Decahydrate produced by this producer is exported by ETI Holding. There is no other producer or exporter of the subject goods from Turkey. In view of this, it is not necessary to fix a separate dumping margin for "all other exporters", as the only producer has co-operated in the investigation. The Hon'ble Designated Authority is requested to delete the Dumping Margin and the dumping duty indicated against "all other exporters" in Turkey.

35. ETI Bor A.S has the mining rights for mining the mineral Tincal, which is the raw material for the manufacture of the product under consideration. The cost of mining this product becomes the starting point for the determination of the cost of production of BDH. This cost of production is subject to verification by the Designated Authority. Just because ETI Bor A.S is a Government company/State owned enterprise it does not alter the basic methodology. For, if that were so, all State owned enterprises (Public Sector Enterprises) in India would be required to prove that they are operating "in the ordinary course of business". Here, ETI Bor A.S is not getting the raw material Tincal from any affiliated party for the authority to determine the correctness of the Tincal's cost. ETI Bor A/S is mining the Tincal and hence its cost of production becomes the starting point. The allegation that the price at which the Company is getting Tincal is 'not in the ordinary course

of trade' by reason of affiliation with the supplier of raw material is incorrect as the raw material is not being supplied by an affiliate. The raw material is being mined and used for the manufacture of different products including BDH. When a product is produced and used captively for the manufacture of another product, it is not required to value that raw material at the market value but only at its cost. Since there is no transfer of raw material, as has been misunderstood by the petitioner, the question of determining whether the transfer price represents the true market value of the inputs does not arise. There is no requirement that a product captively produced by a company should be priced at "fair market value" as has been sought to be made by the petitioner. Even if a portion of the Tincal is sold in Turkey or exported to any other country that price is not relevant.

Submissions by the Domestic Industry

36. With regards to normal value determination from China PR, the Domestic industry craves that all the above parameters are required to be examined by an exporter claiming normal value as per paragraphs 1 to 6 to Annexure I. Considering the above, the determination of dumping margin in respect of this Company as per the preliminary findings need be confirmed. With regards to imports from Turkey, they have represented that the major raw material for production of subject goods is Tincal. It is the claim of the exporter that the raw material is available in abundance and at very low price. At the same time, the Company is a State Owned Company. Such being the case, it is not clear how the petitioner has established that the price at which Tincal has been charged in the cost of production statement is just and fair. The prices at which the company is getting Tincal is not in the ordinary course of trade by reason for affiliation with the supplier of raw material and the petitioner wonders when the naturally occurring mined product has not been priced at its fair market value, how the company claims that it has transferred Tincal appropriately by considering the cost of production incurred by the company.

37. The domestic industry further states that in case of particular market situation, the normal value can not be based on domestic sales. In the instant case, the circumstances under which the exporter is operating (the key raw material is being sourced in-house and such key raw material is being produced using a naturally occurring mined product, which is accessible to the exporter without any cost for the mining rights given to the Company by its own Govt., which owns such naturally occurring mined products), is a particular market situation. Such particular market situation can only be rectified by determining fair market value of such input. Following the Disclosure statement, the domestic industry has urged reversal of the MET treatment to the Chinese producer as they have still not submitted the required data and the producer has also not disclosed the complete costing in the information provided to the authority. As regards ETI Holdings, the domestic industry has urged the authority to consider the fair market value of the major raw material rather than the records kept by the

exporter with regard to cost of production. They have also disputed some of the price adjustments claimed by the exporter in order to arrive at the ex-factory price for the determination of normal value.

Examination by the Authority- Normal value for M/s Dashiqiao, China PR

38. The Authority provided opportunity to the known exporters from China PR to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section 9A(i)©. The Authority also communicated to the known exporters and to the Embassy of China in India that it proposes to examine the claim of the petitioner in the light of para 7 & 8 of the Annexure I of the Anti Dumping rules as amended. Only one of the exporters from China PR i.e. M/s. Dalian Chem Import and Export Group Co, PR China and the producer M/s Dshiqiao have responded to the Authority. It has been observed that M/s. Dalian Chem Import and Export Group Co, PR, the exporter, China PR has obtained the data and support from M/s. Dashiqiao Huaxin Chemi Co. (hereafter M/s Dashiqiao) Liaoning. Province China PR, who is a producer of the subject goods during the POI. M/s Dalian Chem has no domestic sales during the POI though the producer of the subject goods does have some domestic sales during the POI. The Chinese exporter M/s Dalian Chem and their producer M/s Dashiqiao which replied to the Authority's exporters questionnaire requested Market economy treatment on the basis of the submissions made in the above paras. In examining the merits of the claim, the Authority sought to verify whether the producer/exporter which cooperated in the proceedings enjoyed a degree of legal and factual independence from the state, comparable to that which would prevail in a market economy country and which would justify the authority in proceeding with determination of the normal value as per para 1-6 of the Annexure I of the Anti-Dumping Rules, thereby justifying itself in accepting the rebuttal in terms of paragraph 7 and 8 of the Annexure I of the Anti Dumping rules. To this end detailed questions regarding the ownership, management control, determination of commercial and business policies were addressed to the exporter/producer and also to MOFCOM, Beijing. None of the producers with the sole exception of the M/s Dalian Chem/Dashiqiao and MOFCOM responded to the Authority, that their operations were sufficiently independent from the Chinese Authorities to qualify for the market economy treatment.

39. M/s Dashiqiao is a legal entity incorporated in the CHINA PR with no equity holdings from the state/government. The Authority carried out on the spot verification at the premises of the company in order to examine the circumstances under which it operated and its relations with the state and a meeting with MOFCOM was also arranged to ascertain state laws and market economy issues especially with regards to questionnaire it had sent to them earlier. In particular, the company was able to show, to satisfaction of the Authority that management and the control of the factory, both in terms of production, marketing and pricing was clearly in their hands and their operations were sufficiently independent from the state.

40. In view of the above, it was considered possible to grant market economy treatment to the cooperating exporter and consequently proceed to determine Normal value vide paragraphs 1-6 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules.

41. In order to establish normal value for only cooperating exporter/producer M/s. Dashiqiao, it was first determined that whether the total domestic sales of the subject goods by the producer was representative when compared to their total sales of the subject goods concerned sold in the exporting country and whether their sales are under ordinary course of trade in terms of Rule 2 of the annexure I to the anti dumping rules. The authority notes that the domestic sales of the co-operating exporter was representative sales. In order to find whether these are under ordinary course of trade, the Authority analysed the cost of the production of the subject goods and compared with it to the transaction wise information submitted by the cooperating exporter with regard to the domestic sale prices of the subject goods. The Authority further verified the cost of production of the subject goods as per the records kept by the co-operating exporter in his book of accounts and discovered that various cost elements did not reflect the actual costs of various inputs and the utilities as laid down under Rule 1 of the Annexure I of the Anti Dumping rules and therefore the Authority proceeded to construct the cost of the production of the subject goods after apportioning the costs of the inputs and the utilities as per the normal accounting principles. The Authority discovers that all the domestic sales transactions of the cooperating exporter are not in the ordinary course of trade as per Rule 2 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules. The Authority, therefore, proceeded to determine the Normal value as per the Section 9A(i)(ii)(b) of the Customs Tariff Act.

42. In view of the above the Normal value determined by the Authority for M/s. Dashiqiao/Dalian Chem Import & Export Group Co, PR China comes to US\$ ****/MT. The confidential copy of Normal value, export price and dumping margin determination is annexed (for cooperating exporter only).

EXPORT PRICE:

43. The export price for M/s. Dalian Chem Import & Export Group Co., PR China, has been established on the basis of the prices actually paid or payable for the product when sold to India. The Authority notes that ****MTs of the subject goods have been exported to India by the exporter during the POI for US \$ ****. The exporter has made adjustments towards discounts, transport, insurance, handling, loading and other expenditures to arrive at ex-factory export price. The Authority has, after verification of the data, accepted various adjustments made by the exporter and the producer of the subject goods to arrive at export price at ex-factory level. The net export price at ex factory level comes to US \$****/MT.

44. The Authority notes that the Exporter has exported the subject goods under 95% and 99.9% grade. It is noted that the active ingredient in the subject goods are contents of B₂O₃, which are 36.5% for the subject goods. The Authority has

compared the normal value and export price for 99.9% grade taking the active ingredient of B₂O₃ as 36.5%.

DUMPING MARGIN:

45. The principles governing the determination of normal value, export price and the dumping margin as laid down in the Custom Tariff Act and the Anti Dumping Rules are elaborated in Annexure I to the Rules. The dumping margin has been established on the basis of a comparison of weighted average normal value with weighted average export price.. The normal value for China P.R. has been determined on the basis of cost of production of the subject goods of M/s Dashiqiao in China with the profit margin maintained by the exporter. The net ex-factory export price worked out after allowing adjustments works out to US\$ ****/MT. The dumping margin for exports of the subject goods from China PR is assessed by the Authority at US \$ ****/MT or ...% of the export Price.

Other Exporters from China PR

46. The Authority provided opportunity to the known exporters from China PR to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Embassy of China in India also. However, no other exporters from China have responded to the Authority's request for information. The claim made by the petitioner with the regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested party(ies). In view of large non cooperation from the large number of producers and exporters from China PR, and in the absence of other reliable information from the independent sources, and in order to avoid rewarding non co-operation, it was considered appropriate to base the residual dumping margin on the highest margin of dumping alleged in the complaint after suitable normation. Thus, the dumping margin in case of Non-co-operative/other exporters of Borax Decahydrate from China PR is assessed by Authority at US\$ ****/MT orof Export price.

TURKEY:

M/s. ETI A.S. Turkey, and M/s. Borochemie International Pte. Limited, Singapore.

47. M/s ETI Holdings, A.S. exported borax decahydrate to India during the POI and previous two years through their agent M/s. Borochemie International Pte. Limited, Singapore. M/s. ETI Holdings A.S. has submitted that its 100% subsidiary M/s. ETI Bor A.S. manufactures the subject goods and sells in the domestic market thorough its depots throughout the country. However, ETI Bor, A.S. does not export the product directly as its sells the product to its holding company ETI Holdings A.S. who exports to India through M/s. Borochemie International Pte. Limited, Singapore. Both the producers as well as the exporter have submitted response to the exporter's questionnaire. In order to establish

normal value for only exporter/producer M/s. ETI Bor in Turkey, it was first determined that whether the total domestic sales of the subject goods by the producer M/s. ETI Bor was representative when compared to their total sales of the subject goods concerned sold in the exporting country and whether their sales are under ordinary course of trade in terms of Rule 2 of the annexure I to the anti dumping rules. The authority notes that the domestic sales of the M/s. ETI Bor were representative sales and they are also under ordinary course of trade after the Authority examined the transaction wise information of the domestic sales of the exporter during the period of investigation. The domestic industry has represented that their principal raw material "tincal" should be valued at the cost at which it is sold in the domestic market in the country of export as well as to the other countries. They have requested the Authority to take into account a proforma offer of the input tincal where a price of US \$**** has been quoted for its sale.

48. The exporter has represented that their principal raw material 'tincal' mined by M/s ETI Bor A.S is consumed by the said company itself for the manufacture of product under consideration and cost of mining 'tincal' is part of the cost of production of the subject goods. 'Tincal' is also not procured by ETI Bor A.S. from any other related company. They have clarified that 'tincal' produced and captively consumed in the manufacture of borax decahydrate has been valued at actual cost of production. They have also added that it is only the actual cost of producing that input which has been included in the cost of production of the subject goods.

49. The authority has examined the contention of the domestic industry that the company is the state owned company and such being the case, it is not clear how the petitioner has established – price at which the principal raw material (tincal) had been charged in the cost of production statement and therefore, the prices at which the company is getting tincal is not in ordinary course of trade by reason of affiliation with the supplier of the raw material keeping in view that M/s. ETI Bor is the only entity who has the mining rights in the Turkey and it controls the whole operation from mining to production. The authority has verified the cost of production of the M/s. ETI Bor and after physical on-site verification has determined that raw material tincal is not being supplied by any affiliate but by the same company who is selling the goods in the domestic market. The Authority has also verified that only a minuscule percentage of the tincal concentrate is sold in the domestic market and that too to customers like universities and for research and development purposes and therefore the sale price of tincal may not be treated as a representative price. The rest of the tincal has been used in their plant for the production of other boron products. The Authority notes that total cost of production of tincal is only **** per tone while the transfer price was **** PMT, the higher cost representing inland freight for transportation from Chilka to Badirama. The Authority has also examined the inference made by the domestic industry with regards to Annexure II, para (v) of the Anti Dumping rules and determines that this paragraph has nothing to do

with the determination of the value of raw materials used captively. The Authority has verified the actual cost of the production of the subject goods by taking into account the cost of the tincal, the major raw material and its freight cost to the plant at Bandirama and thus determines that the domestic sales price of the subject goods in Turkey are above the cost of production under subrule 2 of the Annexure I of the Anti Dumping rules and therefore, domestic sales are under ordinary course of trade. It is further noted that M/s. ETI Bor A.S. has sold **** MT of the subject goods for a price of TL **** and the weighted average, normal value during the period of investigation comes to US \$ **** per MT. The sales price at the ex factory level for the domestic sales has been established after making adjustments towards the handling charges and inland freight as indicated by M/s. ETI Bor A.S. The weighted average normal value for ETI Bor A.S. at the ex-factory level comes to US **** per MT. The Confidential copy of calculations of normal value and export price is enclosed as Annexure attached.

EXPORT PRICE

50. The export price for M/s. ETI Holdings A.S through exporter M/s Borochemie international has been established on the basis of the prices actually paid or payable for the product when sold to India. The Authority notes that **** MTs of the subject goods have been exported to India during the POI for US \$ ****. The exporter has made adjustments towards discounts, transport, insurance, handling, loading and other expenditures to arrive at ex-factory export price. The weighted net export price at ex -factory level comes to US \$ ****/MT.

DUMPING MARGIN:

51. The principles governing the determination of normal value, export price and the dumping margin as laid down in the Custom Tariff Act and the Anti Dumping Rules are elaborated in Annexure I to the Rules. The dumping margin has been established on the basis of a comparison of weighted average normal value with weighted average export price. The dumping margin for exports of the subject goods from Turkey is assessed by the Authority for the cooperating exporter at US \$ ****/MT % of the export Price.

Other Exporters from Turkey

52. There are no other producers of the subject goods from Turkey and all the subject goods have been exported by their exporter M/s Borochemie international. In view of the fact that the Authority has examined 100% of the exports from the subject country and also the fact that there are no other producers from that country and no other exporter has exported the subject goods from Turkey during the POI, it is considered appropriate to base the residual dumping margin on the margin of dumping as calculated for the cooperating exporter. Thus, the dumping margin in

case of Non-co-operative/other exporters of Borax Decahydrate from Turkey is assessed by Authority at US\$ ****/MT or % of Export price.

Country/producer/exporter	Normal value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin%
ETI Holdings, Turkey and M/s Borochemie international	****	****	****	12.44
Other producers in Turkey	****	****	****	12.44
Dashiqiao Huaxin Chemi Co , and M/s Dalain chem import and export group Co Ltd, China PR	****	****	****	26.58
Other Producers in China PR	****	****	****	96.5

Injury

Submissions made by the petitioner

Cumulative Assessment

53. The exporters from China and Turkey are dumping Borax Decahydrate in the Indian market. Annexure II (iii) to the Anti Dumping Rules requires that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -

- (a) The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;
- (b) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

The margins of dumping from each of the subject country are more than the limits prescribed above, as may be seen from the previous section. Quantum of imports from various countries is contained in the statement of imports enclosed with this petition. Whether the data published by the DGCI&S is considered or data provided by Secondary Sources is relied upon, it would be seen that the quantum of imports from each of the subject country is more than the prescribed limits. Cumulative assessment of the effects of imports is thus, appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. The Authority is, therefore, requested to assess injury to the domestic industry cumulatively from the subject countries.

54. Petitioner submits that while DGCI&S data may not be appropriate, as other products have been cleared in this classification, data compiled by the secondary sources is not exhaustive, as all the ports are not covered by this source. The imports reported by the Secondary Sources should, therefore, be considered as minimum known imports. With regard to China, since information on exports from China has become available to the petitioner, the same has been relied upon. It is seen that the actual volume of imports from the two countries are in the region of 10,000 MT. Further, it is submitted that the imports are more in volume from China than Turkey. Import statistics show that the quantum of imports from subject countries have increased in a significant way. The petitioner has also submitted that the imports are more involving from China PR and import from Turkey.

M/s ETI A.S. Turkey – Views of Turkish Government

55. M/s. ETI Holdings has represented that a number of injury parameters have recorded positive developments and therefore the determination of injury is wrong and the finding is liable to be reversed. They have further stated that there is no price depression or price suppression for the domestic industry and they have also disputed the factual data relied upon by the authority in the provisional findings. It has been further added that the authority has compared the figures for the POI with that of the year 1999-2000 as such a comparison is not correct as there was no allegation of dumping during the intervening period. They have also disputed the provisional determination made by the authority with regard to opening stock, production and closing stock periods. Imports are taking place from United States and are also undercutting the price of the domestic industry. However, there appears to be a deliberate attempt by the domestic industry to project as if there were no exports from the United States. The finding of the Designated Authority, on the basis of DGCIS data, is incorrect as the DGCIS data includes the prices for other products such as Borax Pentahydrate. Turkish Government and the exporters have also expressed concern as regards cumulation of imports from Turkey with imports from China PR. They have urged the Authority to consider if competition exists between imports from Turkey and China and volume of imports and price undercutting from two countries individually before deciding to make cumulative assessment. Following the

disclosure statement released by the authority, the exporter has further represented that the authority has not evaluated the conditions of competition between the imported products i.e. between imports from Turkey and China PR. They further represent that if the authority evaluates this aspect, it will be clear that the causal link would be absent in so far as imports from Turkey is concerned.

Submissions by Dalian Chem, China

56. The exporter from China has represented that the marginal decline in the capacity utilization of the domestic industry may be temporary and could be as a result of teething problems in the change of technology by the petitioner producing the subject goods. They have requested the authority to analyse the export performance of the domestic industry in the injury analysis. With regard to sales volume, they have represented that there is a very insignificant decline in the domestic industry, average net sales price for the subject goods produced and sold in the domestic market. They have also pointed out the differences in the manufacturing efficiencies between India and China and have drawn the authority towards producers operations and economies of scale, raw materials, process, procurement costs, and logistics and better infrastructure in China PR and economic slow-down in India during the POI. They have further highlighted the cost of capital in India and specially debt services burden of the petitioner.

57. They have drawn the attention of the authority towards the DGCI&S data for the POI and have further claimed that imports of the subject goods from China PR compared with the exports made by Malaysia and USA also. They have further pointed out that there are substantial goods of subject goods at comparable prices during the POI from USA. They have disputed the authority's findings with regard to price undercutting and price underselling of the domestic industry and has requested the authority to further examine the data of USA imports for better causal link analysis. They have further pointed out that the petitioner's losses are due to change in the raw material used for the production process of the borax decahydrate.

Submissions made by the Domestic Industry

58. The subject goods are being dumped in the Country for a long period. As would be seen from the petition earlier filed by the domestic industry, the imports have gradually shown an increase. Such an increase is due to consistent price undercutting of the domestic prices by the imports from the subject countries. Thus, it can be said that the domestic industry is being injured as a result of dumped imports for past some time. The fact that the Indian industry is being injured for past some time is established by gradual suspension of production by Indian Producers one after another. In fact, a number of producers of the subject goods have rather turned traders and have started importing the material, as these producers could not face the brunt of dumping from the subject countries.

The domestic industry has requested injury to the domestic industry to be assessed cumulatively from China and Turkey.

1. The imports have increased significantly during the Period of Investigation as compared to previous years. The imports have increased (i) in absolute terms; (ii) relative to production; and (iii) relative to consumption in India. The Production of the domestic industry over the years has declined. Even though it has increased in the investigation period as compared to the immediate preceding year, the level of production was far lower than the production in the past. Decline in production has consequently resulted in decline in capacity utilization and Even though the sales volumes have increased over the years, the same has declined in the investigation period as compared to previous period. Closing stocks with the domestic industry have increased. Consequently, average number of days production is in stock has gone up.
2. While the cost of production of the domestic industry has increased, the domestic industry has been forced to reduce the selling price. Landed price of imports from the subject countries was significantly below the selling price of the domestic. The landed price of imports and selling prices of domestic industry were below the cost of production and non-injurious price of the domestic industry. The imports were thus preventing the domestic industry from effecting legitimate price increases and were suppressing/depressing the prices of the domestic industry in the market. The domestic industry has further drawn the attention of the authority towards adverse cash flow and continuous losses being suffered by the domestic industry.

Examination by the Authority

59. Under Rule 11 supra, Annexure –II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
60. Annexure II (iii) under Rule 11 supra further provides that "in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti Dumping investigation, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that the margin of dumping

established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual country is less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and cumulative assessment of the imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles"

61. There are two conditions prescribed for cumulation of injury in the case of imports from more than one country i.e. the dumping margin should be more than de minimus limits prescribed and cumulative assessment of the effect of imports should be appropriate in the light of conditions of competition between the imported article and the like domestic articles. The authority notes that imports from subject countries are more than de minimus limits prescribed under the rules. With regard to the second limb of the cumulative assessment conditions, the authority notes that it is appropriate to do so in view of the fact that

- i. imported products and domestic industry products are like articles
- ii. imports from both the countries are individually under cutting prices in the domestic market.
- iii. Imports from both the subject countries and the domestic industry are competing in the same market as the two products are being used inter-changeably.

62. The authority in this regard referred to

- (i) Customer wise sales made by the domestic industry, details of importers made known by the responding exporters and names of importers available in the secondary source data
- (ii) The degree of fungibility between the imports from the different countries and domestic industry
- (iii) Presence of sales in the same geographical market of imports from different countries and the domestic industry product
- (iv) Existence of common or similar channel of distribution for imports from different countries and domestic industry; and
- (v) Whether the imports are simultaneously present in the market.

63. The Authority has further examined the landed price of imports individually from the two countries with the selling price of the domestic industry. It is seen that the landed price of imports is significantly lower than the selling price of the domestic industry even though price under-cutting is higher in the case of China PR. The Authority has also compared the landed price of imports with the cost of production and selling price of the domestic industry. It is seen that the imports from both the countries are individually below the cost of production of the domestic industry and

the selling price of the domestic industry are also below the cost of production of the domestic industry. Imports from the subject countries, thus, individually are resulting in price under-selling in the domestic market. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject countries are more than the limit prescribed above. Cumulative assessment of the effect of the imports from China P.R. and Turkey is appropriate since the export prices from these countries were directly competing with the prices offered by the Domestic Industry in the Indian market and displacing domestic producers here.

64. For the examination of the impact on the domestic industry in India, the Authority also considered such further indices having a bearing on the state of industry as capacity utilization, production, sales, net sales realization, profitability, etc.

Source of data and the methodology

65. For the determination of volume injury from imports from Turkey, the Authority has taken the data submitted by the sole producer and exporter from Turkey for determination of volume of imports from that country for the POI and the previous years. As the exporter has submitted data on calendar year basis, these have been suitably normated for financial year for the period 2000-2001. The data for 1999-2000 has been taken from the transaction wise information from secondary sources as DGCIS data from Turkey comprises of both Borax Decahydrate as well as Borax Pentahydrate. As regards China, the Authority has taken into account transaction wise data made available by DGCI&S for POI as well as previous years as all imports from China PR consist of borax decahydrate only. For other countries import during the POI and previous years, the Authority has taken transaction wise data of the subject goods from secondary sources (IBIS). For the calculation of apparent consumption (demand) of the subject goods in India, the Authority has added the sales volume of the domestic industry and other producers to the total imports made into the country.

Volume and Market Share of Imports from subject countries and Domestic Industry

66. The volume of imports of the subject goods from subject countries has significantly increased during the Period of Investigation as compared to previous years. In fact, the imports have consistently increased from 1999-00 to the period of investigation. The volume of imports from other countries has declined significantly during the POI from 1999-00. The Authority notes that imports from the subject countries have increased in absolute terms as well as in relation to the production of the domestic industry and also in relation to the demand of the subject goods in India. The imports from subject countries have increased by 305% over the same period in the preceding year in absolute terms and their share to the total imports has gone up from 57.44% in 99-00 to 98.34% during

the POI. The share of subject countries in the total demand has increased from 22.34% to 54.26% while that of the domestic industry has declined from 48.83% in 99-00 to 38.10%. In conclusion, the Authority is satisfied that the domestic industry has suffered loss of market share and imports from subject countries have significantly increased their market share.

Imports from the subject Countries

Country/Territory	99-00(MT)	00-01(MT)	Apr-Dec01(MT)	Jan-Sep02(MT)
Sub Count	842	2767	2517	7687.9
Others	624	0	20	130
Total	1466	2767	2537	7817.9

Share of Imports (%)				
Country	99-00	00-01	Apr-Dec01	Jan-Sep02
Imp from Subj. Count	57.44	100.00	99.21	98.34
Other countries	42.56	0	0.49	1.62
Total	100	100	100	100

Share of the imported subject goods in total demand (%)				
Country	99-00	00-01	Apr-Dec01	Jan-Sep02
Imp from Subj. Count	6.04	18.85	22.34	54.26
Other countries	4.48	0.00	0.18	0.92
Domestic Industry	48.83	54.10	56.91	38.10
Other producers	40.66	27.05	20.57	6.72
Total Demand	100	100	100	100

Imports in relation to the domestic Industry (MT)				
Country	99-00	00-01	Apr-Dec01	Jan-Sep02
Imports from Subject country	842	2767	2517	7687
Production Domestic Industry	7414	7522	6629	7112
Dumped Imports in relation to the Domestic Industry	11.36%	36.77%	37.96%	108.08%

Production and Capacity Utilisation

67. It is noted that the production of the domestic industry has increased during the POI as compared to previous years. It is also noted that their capacity utilization has declined only marginally during the period of investigation as compared to the previous nine months. The Authority notes that Annexure II to the Rules provides as under with regard to assessment of the effect of the dumped imports: - "The effect of the dumped imports shall be assessed in relation to the domestic production of the like article when available data permit the separate identification of that production on the basis of such criteria as the production process, producers sales and profits. If such separate identification of that production is not possible, the effects of the dumped imports shall be assessed by the examination of the production of the narrowest group or range of products, which includes the like product, for which the necessary information can be provided." In the instant case, the domestic industry has combined capacity for borax deca and penta. Such being the case, it would not be appropriate to assess injury to the domestic industry in isolation for borax deca. The Authority, has therefore, has taken into account injury to the domestic industry after combining information for penta and deca (in addition to separate information on deca) for the purpose of assessment of dumped imports in terms of production and capacity utilization (and hence figures in para 66 and 72 may not match). The Authority on the basis of examination of records is satisfied that the domestic industry has suffered significant underutilization of the capacity.

Sales Volume and Growth

68. It is noted that the sales volume of the domestic industry have declined in the investigation period as compared to previous years. While the demand of the subject goods have increased by 25% during the POI against previous year, the sales volume of the domestic Industry have declined by 15.79% during the POI as compared to previous period. The Authority is satisfied that the domestic industry has suffered a decline in the sales volume.

Sales Prices

69. The domestic industry average net sales price for the subject goods produced and sold in domestic market declined by 1.82% between 99-00 and POI. The evolution in the prices should be seen in comparison with the unit cost of the production, which increased by 2.95% from 99-00 to the POI.

Stocks and Margin of Dumping:

70. The closing stocks of the domestic industry have increased significantly during the POI as compared to the previous years. The Authority is satisfied that the domestic industry has suffered injury because of increase of inventory

of subject goods. Also the margin of dumping from both the countries are very significant.

PROFITABILITY:

71. Though the unit cost of production of the domestic industry has increased during the POI since 1999-2000, their unit-selling price has declined during the POI since 1999-2000.

RETURN ON CAPITAL & CASH PROFIT

72. The return on the capital of the domestic industry as well as the cash profit has deteriorated during the POI as compared to 1999-2000 though it has improved from 2000-2001.

Injury parameters					
		99-00	00-01	Ap-Dec01	Jan-Sep02
Parameters	Units				
Capacity	MT	17000	17000	12750	12750
Combined. Production	MT	9614	10541	7572	7553
Capacity Utilisation	%	56.55	62.01	59.39	59.24
Domestic sales (Act)	MT	6806	7940	6412	5399
Domestic sales (Ann)	Index	100	116.66	125.61	105.77
Opening stock	MT	866	1259	481	342
Closing stock	MT	1259	481	342	1523
Unit Cost of production	Index	100	100.77	102.63	102.95
Selling price	Index	100	91.35	95.03	98.18
Unit profit/loss	Index	-100	-320.16	-279.84	-214.11
Total profit	Index	(-100)	-373.51	-351.51	-226.47
ROC	Index	-100	-260.57	-149.06	-68.571
Employment	Index	100	94.12	96.08	90.2
salary Wages	Index	100	83.33	114	109.88
Productivity	Index	100	107.8	93.06	106.35
Cash Profit	Index	-100	-418.41	-378.22	-212.49
Growth	%		16.66	7.67	-19.98

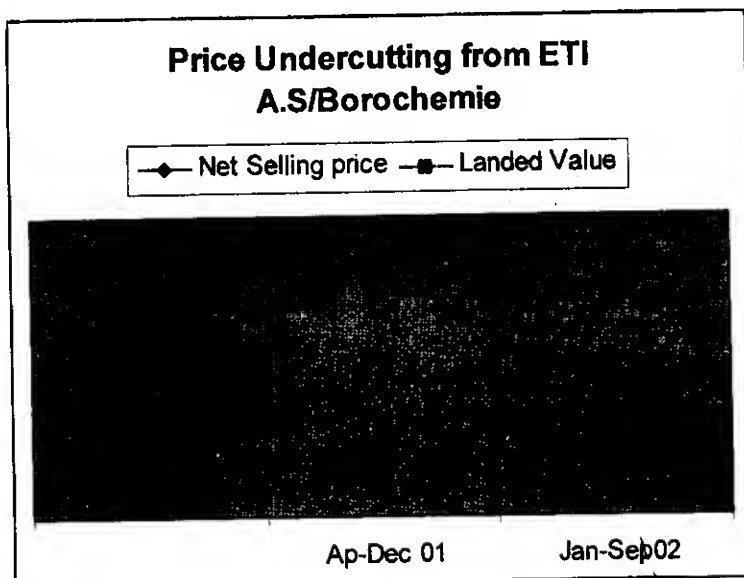
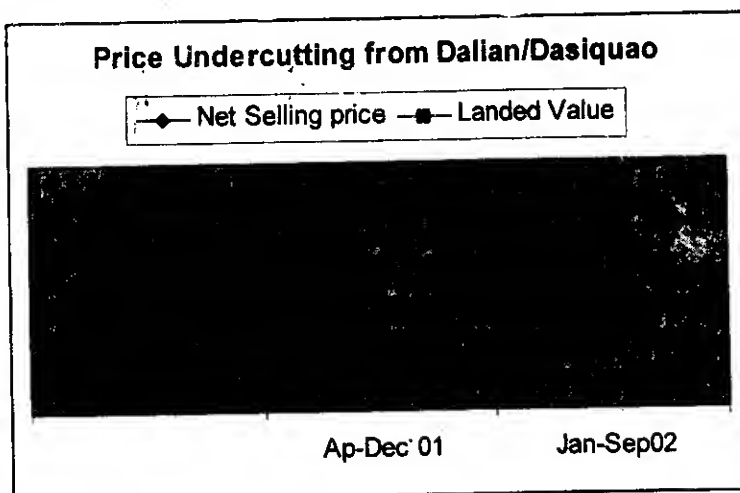
PRODUCTIVITY & EMPLOYMENT:

73. The productivity of the domestic industry has increased during the POI form 1999-2000. However, the Authority also notes that the same could be on account of the decline in the level of employment.

74. Price Undercutting, Price Underselling and Price Depression

Price Under Cutting from M/s ETI A.S/Borochemie			
		Ap-Dec 01	Jan-Sep02
Net Selling price		****	****
Landed Value		****	****
Price Undercutting%		****	****

Price Under Cutting from M/s Dalian/Dashiquiao			
		Ap-Dec 01	Jan-Sep02
Net Selling price		****	****
Landed Value		****	****
Price Undercutting %		****	****



Price Underselling during POI				
Country	Non Injurious Price of petitione	Landed Price from Subjec country	Price Undersellin	Pr Undersellin %
ETI Holdings	****	****	****	****
Dalian	****	****	****	****

In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree. The Authority has compared the landed value of imports of subject goods from subject countries during the POI with the net sales realization and has found that there has been a significant price under-cutting by the dumped imports from subject country/territory.

75. The Authority has also examined the claim of the petitioner that the domestic industry is suffering on account of the losses. The Authority notes that price underselling is an important indicator to make an assessment of the injury. The Authority has worked out the Non-injurious price for the product under consideration and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The analysis shows a significant incidence of price underselling. The Authority notes that price depression occurs when domestic industry, for some reason, reduces its prices of the subject goods. The Authority has verified the records of the domestic industry with regards to average selling prices to support its claim of the price depression. However, the Authority could not find any significant price depression during the POI.

Selling Price / Profitability

76. The authority notes that selling prices of the domestic industry is significantly below the price, which would have permitted the domestic industry, a fair recovery of its cost of production and earn a reasonable return. Though the losses from this product have come down during the POI as compared to previous years, these could be seen in the backdrop of other producers of the subject goods closing down and increase in the productivity of the domestic industry.

CAUSAL LINK:

77.a. Introduction

In order to reach its conclusions on the cause of the injury suffered by the domestic industry and in accordance with rule V of the Annexure II of the Anti Dumping Rules, the Authority examined the impact of all known factors and their consequences on situation in that industry. Known factors others than the dumped imports, which could, at the same time, have injured the domestic industry, were also examined to ensure that the possible injury caused by these other factors was not attributive to the dumped imports.

b. Effect of the dumped imports

Between 1999-2000 and POI, dumped imports from the subject countries as a proportion to total imports increased significantly in volume (57.44% to 98.34%) and in market share 6.04% in 1999-00 to 54.26% in the POI. As regards the export prices, they decreased during the whole period and undercut the domestic industry prices during POI on average by *****% and *****% (from ETI Holdings A.S and M/s Dalian Chem Import and Export Co respectively).

Effect of other factors

(i) Performance of other producers

One domestic producer M/s. Northern Borates Private Limited, Kanpur who had supported the petition closed its production facility before the POI. The petitioner has claimed that there were more than a dozen manufacturers of the subject goods in India. However, these small producers have now stopped their production and few of them are working as traders.

(ii) Self inflicted injury due to change in process or technology

It has been submitted by the exporter that injury to the domestic industry has been caused by its changing the raw material to Ulexite. The exporter has further represented that manufacturer of the subject goods from this raw material is a lengthy and costly process since other materials are also consumed which further raise its manufacturing costs. The domestic industry has represented that Ulexite route is cheaper in the sense that raw material costs are less and the overall cost of manufacturer from this route is less despite the fact that other raw materials are also used in the process. The Authority notes from submissions made before it (various literature and journals) that manufacture of subject goods from Ulexite may be a viable route.

(iii) Imports from USA

Non-Inclusion of USA

Submissions by ETI & Turkish Government

- a. The exporter from Turkey has represented that data in the aggregate form in the preliminary findings should not have been used as it includes information relating to products other than the product under consideration also. It has been submitted by them that the petitioners have imported BPH from USA at a price of US\$ 345 PMT. Another producer M/s. Raj Industries has imported BPH from USA at a price of US\$290 – US\$ 365 PMT. M/s.Rishi Enterprises – a related company of Raj Industries has imported BPH from USA at US\$ 290 PMT and BDH from USA at US\$245 PMT. They aver that the finding by the DA that BDH prices from USA are higher is incorrect as it includes prices of BPH also. The FOB price of US \$ 245 from USA is comparable to the FOB price from Turkey. It has been submitted that the information relating to imports from USA is authentic and they have submitted some bills of entries also in support of their claim.

- b. Even while justifying his action for not including USA in the investigation, the authority has only examined the import prices on an aggregate basis. He should have examined the export prices in the disaggregate form, i.e., the prices of Borax Decahydrate alone should have been examined by the authority instead of considering all goods falling within the concerned customs classification head. In the absence of any focused examination, the determination by the authority that the import prices of BDH from USA were higher than that from China and Turkey is factually incorrect and without any basis. The authority shall properly evaluate this aspect while determining causal link.

Submissions made by the Domestic Industry

- c. Petitioner had, in fact, requested extension of investigation to cover USA also. The Designated Authority decided not to initiate investigations against USA in view of insufficient evidence with regard to imports beyond de minimus limits. USA had been exporting their subject product to India in the past. Import statistics since 1999 for this product are enclosed. Evidently, exports from USA declined over the years, which could be a result of aggressive selling by Chinese producers. In fact, this further substantiates the dumping practices of Turkish producers also, when Turkish producer maintains its exports to India, while USA exports declined. Imports of BPH by petitioner is irrelevant to the issue as BPH is not the product under consideration. While ETI has reported imports of BDH by Raj Industries, the volumes have not been reported. It is thus not known whether these imports are beyond de-minimus limits. As stated earlier, while petitioner has also been able to show imports of BDH, the real issue is such imports are below de minimus limits.

Examination by the Authority

- d. Some interested parties have argued that the petitioner has not included the investigation from USA deliberately and imports from USA are above de-minimus. The Authority notes that the petition was filed for imports coming from Turkey, China PR and USA. After careful examination of the import data from IBIS, Mumbai, the Authority noted that there are no imports from that country and hence the investigation was initiated against Turkey and China PR. After the initiation of the investigation, the Authority has examined the data from DGCIS for imports from USA (in the aggregate form) and found that these imports are priced much higher than imports from the subject countries. After the preliminary findings, the Authority wrote to the Commissioner of Customs, Mumbai (with a remainder later) requesting data for imports from USA. The Authority has now received a letter from the Commissioner of Customs (letter placed in the public file) , Nhava Shiva stating that almost all of the imports from Nhava Shiva belonged to Borax Pentahydrate and imports of subject goods comprised minuscule amounts which are de minimus in the volume terms.

In the case of imports from USA, the authority further notes that

- i) imports from USA are within de minimus limits
- ii) there is no evidence that dumping margin is more than de minimus
- iii) there is no evidence that imports from USA are competing with the supplies from the domestic industry or imports from other countries.

e) Contraction of demand and other factors

The Authority could not find any evidence of contraction of demand, change in pattern of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers. It is noted that developments in technology has not been a cause for injury to the domestic industry. These parameters collectively and cumulatively indicate that the petitioner has suffered material injury due to the dumped imports from subject countries.

78. For the purpose of determining injury, the landed value of imports is compared with the non-injurious price of the petitioner company determined for the period of investigation.

INDIAN INDUSTRY'S INTEREST:

79. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from China PR in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

80 Conclusions

The Authority has, after considering the foregoing, comes to the conclusion that:

- (a) The subject goods have been exported to India from subject countries below its normal value;

- (b) The Domestic industry has suffered material injury;
- (c) the material injury to the domestic industry has been caused cumulatively by the dumped imports of subject goods from subject countries.

81. The Authority considers it necessary to impose a definitive anti dumping duty on all imports of Borax Decahydrate in order to remove the injury to the domestic industry. The margin of dumping determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority proposes to recommend the amount of anti dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports is compared with the non-injurious price of the petitioner company determined for the period of investigation. The Authority, therefore, recommends imposition of definitive anti dumping duty on the goods, the description of which is specified in column (3) of the Table below, falling under heading of the First Schedule to the said Customs Tariff Act as specified in the corresponding entry in column (2), the specification of which is specified in column (4) of the said Table, originating in the country as specified in the corresponding entry in column (5), and produced by the producer as specified in the corresponding entry in column (7), when exported from the country as specified in the corresponding entry in column (6), by the exporter as specified in the corresponding entry in column (8), and imported into India, an anti-dumping duty at a rate which is equivalent to the difference between, the amount as specified in the corresponding entry in column (9), in the currency as specified in the corresponding entry in column (11) and per unit of measurement as specified in the corresponding entry in column (10), of the said Table, and the landed value of such imported goods in like currency per like unit of measurement.

Table

S. No.	Heading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	2840	Borax decahydrate	Any specification	Turkey	Any	Any Producer	Any Exporter	423.1	Metric Tonne	US Dollar
2.	2840	Borax decahydrate	Any specification	Any country	Turkey	Any producer	Any exporter	423.1	Metric Tonne	US Dollar

				other than People's Republic of China						
3..	2840	Borax decahydrate	Any specification	China PR	Any.	Dashiqiao Huaxin Chemicals Ltd	Dalian Chem import and Export Group Co Ltd	410.86	Metric Tonne	US Dollar
4.	2840	Borax decahydrate	Any specification	China PR	Any country	Any producer except Dashiqiao Huaxin Chemicals Ltd	Any	484.1	Metric Tonne	US Dollar
5.	2840	Borax decahydrate	Any specification	Any country except Turkey	China PR	Any	Any	484.1	Metric Tonne	US Dollar

In case the concentration of the imported product is reported 95%, the quantum of anti-dumping duty shall be 95% of the amount mentioned in Column No.9 of the table above.

82. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

83. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 26th March 2003.

84. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, supra.

ABHIJIT SENGUPTA, Designated Authority